www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper
or
Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

2 सुधार के नाम पर शिक्षा से खिलवाड़, सरकारी कदम पर विवाद और चिंताएं

रूस ने अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को मान्यता दी 06

वर्ष :17 अंक :94 प्रयागराज, शनिवार, 05 जुलाई 2025 पृष्ठ : 06 मूल्य : 1 : 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

नगर निगम के अधिकारी को लातों ने पीटने के मामला, बीजेपी नेता जगन्नाथ प्रधान अरेस्ट, 14 दिन के लिए भेजा गया जेल

पुलिस ने ओडिशा प्रशासनिक सेवा (ओएएस) के एक अधिकारी पर कथित हमले के सिलसिले में भाजपा नेता जगन्नाथ प्रधान को भुवनेश्वर से गिरफ्तार किया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह घटनाक्रम जगन्नाथ प्रधान द्वारा भुवनेश्वर में डीसीपी कार्यालय में आत्मसमर्पण करने के बाद हुआ, जिसके बाद मेडिकल जांच के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। भुवनेश्वर नगर निगम (बीएमसी) के अतिरिक्त आयुक्त रत्नाकर साहू को पिछले सप्ताह कथित तौर पर उनके कार्यालय से बाहर खींच लिया गया और कुछ बदमाशों ने उन पर हमला कर दिया। अधिकारी ने बताया कि प्रधान सहित अब तक कुल छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस बीच, प्रधान की गिरफ्तारी के बाद आंदोलन कर रहे ओएएस अधिकारी संघ ने अपना आंदोलन वापस ले लिया, इसके अध्यक्ष ज्योति मिश्रा ने कहा। साहू पर हमले के बाद राज्य भर के ओएएस अधिकारी सामूहिक अवकाश पर हैं। भुवनेश्वर के डीसीपी जगमोहन मीना ने कहा कि प्रधान को एफआईआर और साहू और आरोपी व्यक्तियों के बयानों के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। प्रधान ने कहा कि मैं जांच में सहयोग करने के लिए यहां आया हूं।

गुजरात से बड़ी कार्रवाई, हथकड़ी लगा 250 अवैध बांग्लादेशियों को किया गया डिपोर्ट

एक बड़ी कार्रवाई में 250 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को गुजरात से ढाका भेजा गया। वडोदरा एयरफोर्स स्टेशन से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच भारतीय वायुसेना के विशेष विमान से यह निर्वासन किया गया। ऑपरेशन को सुरक्षित तरीके से अंजाम देने के लिए कड़े सुरक्षा उपाय किए गए थे। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सभी बांग्लादेशी नागरिकों के हाथ हथकड़ी से बांध दिए गए थे। उन्हें राज्य के विभिन्न हिस्सों से बसों में पुलिस सुरक्षा के तहत हवाई अड्डे तक लाया गया। यह कार्रवाई गुजरात में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी अप्रवासियों के खिलाफ चल रही बड़ी कार्रवाई का हिस्सा है। पिछले दो महीनों में, राज्य में अवैध रूप से रह रहे 1,200 से अधिक बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान की गई है और उन्हें निर्वासित किया गया है। राज्य सरकार, केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय में, सभी अनधिकृत विदेशी नागरिकों को निकालने के प्रयासों को तेज कर रही है। यह अभियान अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा और राजकोट सहित प्रमुख शहरी केंद्रों में सबसे ज्यादा सक्रिय रहा है।

चेहरे पर खुशी और हाथ में 'योगी आम', मुख्यमंत्री योगी ने आम महोत्सव 2025 का किया शुभारंभ

वैश्विक बाजार में उत्तर प्रदेश की शान बढ़ा रही हैं विभिन्न प्रकार के आमों की किस्में- सीएम योगी

आम महोत्सव

▶▶ उत्तर प्रदेश आम महोत्सव- 2025: आम उत्पादन को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने के लिए लखनऊ, अमरोहा, सहारनपुर और वाराणसी में चार आधुनिक पैक हाउस स्थापित- सीएम योगी. महोत्सव में देशभर के बागानों से चुनकर लाए गए 800 से अधिक किस्मों के आमों की लगी प्रदर्शनी.

सरकार ने कृषि में आधुनिक तकनीक को बढ़ावा दिया है- सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार ने कृषि विज्ञान केंद्रों और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना के माध्यम से आधुनिक तकनीक को बढ़ावा दिया है। गन्ना, मक्का और औद्यानिक फसलों में नए बीज और तकनीकों का उपयोग किसानों की आय को बढ़ा रहा है। सीएम ने बताया कि 2017 में जहां 5 करोड़ पौधों का रोपण एक चुनौती थी, वहीं अब 9 जुलाई 2025 को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 50 करोड़ पौधों का रोपण किया जाएगा। यह उत्तर प्रदेश की प्रगति और पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी ने लखनऊ के अवध शिल्प ग्राम, अवध विहार योजना, सेक्टर 9, में तीन दिवसीय उत्तर प्रदेश आम महोत्सव 2025 का शुभारंभ किया। इस महोत्सव में देशभर के बागानों से चुनकर लाए गए 800 से अधिक किस्मों के आमों की प्रदर्शनी ने सभी का ध्यान आकर्षित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि हमारे बागवानों ने जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग की चुनौतियों के बावजूद तकनीक का उपयोग कर शानदार प्रदर्शन किया है। ढाई से तीन किलो के आमों की किस्में देखकर आश्चर्य होता है, जो न केवल स्वाद में बेजोड़ हैं, बल्कि वैश्विक बाजार में भी उत्तर प्रदेश की शान बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आम महोत्सव न केवल किसानों की आमदनी बढ़ाने का माध्यम है, बल्कि प्रधानमंत्री मोदी के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के विजन को साकार करने की दिशा में एक ठोस प्रयास है। उन्होंने कहा कि आम उत्पादन को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने के लिए लखनऊ, अमरोहा, सहारनपुर और वाराणसी में चार आधुनिक पैक हाउस स्थापित किए गए हैं। इन पैक हाउसों के माध्यम से आम की गुणवत्ता, वैरायटी और एक्सपोर्ट के मानकों की जानकारी किसानों को दी जाती है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आम महोत्सव न केवल आम उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देता है, बल्कि बागवानों में औद्यानिक फसलों, आधुनिक तकनीक और वैश्विक बाजारों के प्रति विश्वास जगाने का भी माध्यम है।

☛ बागवानों के परिश्रम और उत्तर प्रदेश की कृषि प्रगति को वैश्विक मंच पर ले जाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है- मुख्यमंत्री

☛ 9 जुलाई 2025 को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत होगा 50 करोड़ पौधों का रोपण- मुख्यमंत्री

वैश्विक बाजार में उत्तर प्रदेश के आमों की धमक

सीएम योगी ने जोर देकर कहा कि डबल इंजन सरकार की डबल इंजन नीति ने औद्यानिक फसलों के निर्यात को कई गुना बढ़ाया है। इस महोत्सव के दौरान दो देशों के लिए आमों का एयर कार्गो रवाना किया गया, जिसमें सरकार द्वारा दी गई सब्सिडी ने बागवानों को बेहतर दाम दिलाने में मदद की। मुख्यमंत्री ने महोत्सव में सभी स्टॉलों का निरीक्षण किया और लखनऊ की दशहरी, वाराणसी का लंगड़ा, गोरखपुर का गवर्जीत, बस्ती का आम्रपाली, मेरठ और बागपत का रटोल जैसी किस्मों की जानकारी ली।

'युद्ध शुरू करना आसान, नियंत्रित करना बहुत मुश्किल'

पाकिस्तान के खिलाफ युद्ध रोकने पर बोले, उप सेना प्रमुख

सीजफायर के फैसले पर क्या कहा?

सीजफायर के निर्णय पर लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने कहा, जब हम अपने सैन्य लक्ष्य हासिल कर लेते हैं, तो हमें युद्ध को रोकने का प्रयास करना चाहिए। युद्ध शुरू करना आसान है, लेकिन इसे नियंत्रित करना बेहद कठिन है। इसलिए मैं कहूंगा कि यह एक सही समय पर लिया गया शानदार निर्णय था।

एजेंसी

नई दिल्ली: राजधानी दिल्ली में फिक्की ने 'न्यू एज मिलिट्री टेक्नोलॉजीज' कार्यक्रम आयोजित किया. कार्यक्रम में उप सेना प्रमुख (क्षमता विकास एवं संधारण) लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर सिंह ने भी संबोधित किया. 'ऑपरेशन सिंदूर' में मिली कामयाबी और इस दौरान तय की गयी रणनीतियों पर चर्चा की. उन्होंने कहा- 'ऑपरेशन सिंदूर से कुछ सबक मिले हैं'. डेटा आधारित युद्ध था: उप सेना प्रमुख ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बताया. उन्होंने कहा कि कुछ साल पहले की तरह इस दर्द को सहने की कोई गुंजाइश नहीं है. लक्ष्यों की योजना और चयन बहुत सारे डेटा पर आधारित था जो प्रौद्योगिकी और मानव खुफिया जानकारी का उपयोग करके एकत्र किया गया था. 21 लक्ष्यों की हुई थी पहचान: लेफ्टिनेंट राहुल ने कहा कि पाकिस्तान और पीओके स्थित कुल 21 लक्ष्यों की पहचान की गई थी. जिसके बाद इनमें से नौ टारगेट को निशाना बनाने का फैसला किया गया. उन्होंने कहा,- यह आखिरी दिन या आखिरी घंटा था जब यह निर्णय लिया गया कि इन नौ लक्ष्यों पर हमला किया जाएगा. यह निर्णय लिया गया कि तीनों सेनाओं के बीच सही संदेश जाएगा कि हम वास्तव में एक एकीकृत बल हैं. लेफ्टिनेंट राहुल ने कहा, जब ??हम किसी सैन्य लक्ष्य पर पहुंचते हैं, तो हमें उसे रोकने की कोशिश करनी चाहिए. युद्ध शुरू करना आसान है, लेकिन इसे नियंत्रित करना बहुत मुश्किल है.

हवाई रक्षा पर जोर

लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने भारत की हवाई रक्षा प्रणाली की ताकत की सराहना की, लेकिन साथ ही भविष्य के लिए सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा, इस बार हमारे शहरों और घनी आबादी वाले क्षेत्रों पर हमला नहीं हुआ, लेकिन हमें अगली बार के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भारत को एक मजबूत, बहु-स्तरीय हवाई रक्षा प्रणाली विकसित करने की जरूरत है, ताकि पाकिस्तान, चीन और तुर्की जैसे देशों से आने वाले खतरों का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सके।

थलापति विजय के ऐलान से स्टालिन की बढ़ेगी बेचैनी

बीजेपी के तमिलनाडु प्लान को भी लगेगा धक्का

एजेंसी

अभिनेता से नेता बने विजय को 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए तमिलगा वेत्री कझगम का आधिकारिक मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया है। पार्टी की कार्यकारी समिति की बैठक के दौरान पारित एक विशेष प्रस्ताव के माध्यम से यह घोषणा की गई। ळश्ङ ने अगले महीने एक बड़े पैमाने पर राज्य सम्मेलन आयोजित करने का भी प्रस्ताव रखा है और लोगों के बीच अपनी विचारधारा फैलाने के लिए गाँवों में सार्वजनिक बैठकें आयोजित करने की योजना बनाई है। विजय ने डीएमके या बीजेपी के साथ गठबंधन से किया इंकार टीवीके की राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक के दौरान अभिनेता और पार्टी प्रमुख विजय ने कहा कि टीवीके के नेतृत्व वाला गठबंधन डीएमके और बीजेपी दोनों का दृढ़ता से विरोध करेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस रुख पर कोई समझौता नहीं होगा और स्पष्ट किया कि टीवीके डीएमके या एआईएडीएमके की तरह नहीं है जो राजनीतिक लाभ के लिए बीजेपी के साथ गठबंधन करना चाहता है। विजय ने कहा कि टीवीके के नेतृत्व वाला गठबंधन हमेशा डीएमके और बीजेपी के खिलाफ रहेगा।

> विजय ने डीएमके या बीजेपी के साथ गठबंधन से किया इंकार टीवीके की राज्य कार्यकारिणी समिति की बैठक के दौरान अभिनेता और पार्टी प्रमुख विजय ने कहा कि टीवीके के नेतृत्व वाला गठबंधन डीएमके और बीजेपी दोनों का दृढ़ता से विरोध करेगा।

मैं विवेकानंद की हिंदू धर्म की परिभाषा में विश्वास करती हूं: ममता बनर्जी

मुख्यमंत्री ने कहा कि नई पीढ़ी के बीच स्वामीजी के आदर्शों के और अधिक प्रसार के लिए राज्य सरकार ने उनके जन्मदिन 23 जनवरी को विवेक चेतना उत्सव का आयोजन किया।

एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि वह विवेकानंद की हिंदू धर्म की उस परिभाषा में विश्वास करती हैं, जो मानवता को हर चीज से ऊपर रखती है। विवेकानंद को एक संत-देशभक्त बताते हुए बनर्जी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि स्वामीजी ने जो सार्वभौमिक भाईचारे और शांति का संदेश दिया।

'जय महाराष्ट्र, जय गुजरात', शिंदे ने अमित शाह की मौजूदगी में लगाया नारा

विपक्ष ने घेरा तो सपोर्ट में आए फडणवीस

> कांग्रेस नेता नाना पटोले ने एकनाथ शिंदे के 'जय गुजरात' नारे पर कहा कि हम इसकी निंदा करते हैं, ये महाराष्ट्र की मातृभूमि और मराठी भाषा का अपमान है। वहीं, उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एकनाथ शिंदे के 'जय गुजरात' वाले नारे की क्लिप शेयर की। साथ ही लिखा- शहा सेना, शहा सेना!

एजेंसी

महाराष्ट्र। मनसे कार्यकर्ताओं द्वारा एक दुकानदार पर हमला करने के मामले में चल रहे विवाद के बीच, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शुक्रवार को अपना भाषण जय महाराष्ट्र का नारा लगाने के बाद जय गुजरात के साथ समाप्त किया। पुणे में एक कार्यक्रम में बोलते हुए शिंदे ने गृह मंत्री अमित शाह की सराहना की और अपने भाषण का समापन जय हिंद, जय महाराष्ट्र, जय गुजरात जैसे नारों के साथ किया। शिंदे की टिप्पणी की विपक्ष ने कड़ी आलोचना की और एनसीपी (सपा) नेता क्लाइड क्रैस्टो ने उपमुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए उन पर सत्ता का लालची होने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता नाना पटोले ने एकनाथ शिंदे के 'जय गुजरात' नारे पर कहा कि हम इसकी निंदा करते हैं, ये महाराष्ट्र की मातृभूमि और मराठी भाषा का अपमान है। वहीं, उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एकनाथ शिंदे के 'जय गुजरात' वाले नारे की क्लिप शेयर की।

चुनाव में रिस्क नहीं लेना चाहते ओवैसी

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर असदुद्दीन ओवैसी की अगुवाई वाली पार्टी एआईएमआईएम

> महागठबंधन में शामिल होने की इच्छा: एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद को पत्र लिखते हुए कहा है कि आप इस बात से भली भांति अवगत है कि विगत 2015 से बिहार की राजनीति में एआईएमआईएम पार्टी अपनी सक्रिय भूमिका निभा रही है.

एजेंसी

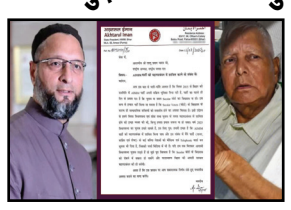

मुस्लिमीन ने फिर से महागठबंधन में शामिल होने की इच्छा जाहिर की है. पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद को पत्र लिखकर महागठबंधन का हिस्सा बनने की इच्छा जाहिर की. दरअसल 2020 में ओवैसी की पार्टी ने बिहार में पांच सीटें जीतीं थीं, लेकिन एक ही विधायक पार्टी में बचा है. पार्टी का पहले ही दिन से प्रयास रहा है कि चुनाव के समय सेकुलर वोटो का बिखराव ना हो. इस सत्य से इनकार नहीं किया जा सकता है कि सेकुलर वोटों के बिखराव के कारण ही सांप्रदायिक शक्तियों को सत्तासीन होने का अवसर मिलता है. इसी उद्देश्य से हमने विगत विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव के समय महागठबंधन में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की थी, लेकिन हमारा प्रयास सफल नहीं हो सका. - एआईएमआईएम द्वारा लालू को लिखे पत्र के कुछ अंश 2025 चुनाव साथ लड़ने की इच्छा: 2 जुलाई को लिखे पत्र में अख्तरुल ईमान ने लिखा है कि इसी वर्ष 2025 विधानसभा का चुनाव हमारे सामने है, इसलिए फिर से हमारी इच्छा है।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की नीट-यूजी 2025 के नतीजों को चुनौती देने वाली याचिका

कहा- हजारों छात्र होंगे प्रभावित

पीठ ने कहा, हमने समान मामलों को खारिज कर दिया है। हम सहमत हैं कि कई सही उत्तर हो सकते हैं। लेकिन हम उस परीक्षा में हस्तक्षेप नहीं कर सकते जिसमें लाखों अभ्यर्थी बैठते हैं। यह किसी एक व्यक्ति का मामला नहीं है। हजारों छात्र प्रभावित होंगे।

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को एक प्रश्न में कथित त्रुटि के कारण नीट-यूजी 2025 के परिणाम को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि उसने दो दिन पहले इसी तरह की एक अन्य याचिका खारिज कर दी थी और वह व्यक्तिगत परीक्षाओं पर विचार नहीं कर सकती। शीर्ष अदालत एक अभ्यर्थी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें कथित गलती को सुधारने और परिणामों में संशोधन का आग्रह किया गया था।

प्रतिक्रिया — लालू को एआईएमआईएम के पत्र पर बोले चिराग पासवान

मुस्लिम वोट में बिखराव को रोकने के लिए...

एजेंसी

> चिराग पासवान ने साफ तौर पर कहा कि अब मुसलमान एनडीए के साथ जुड़ रहे है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम वोट में बिखराव को रोकने के लिए सबएक जुट हो रहे हैं। बीजेपी सांसद मनन कुमार मिश्रा ने कहा कि चाहे असदुद्दीन ओवैसी हों, आरजेडी हो या कांग्रेस, ये सभी धर्म की राजनीति करते हैं, इसलिए इनका एक साथ आना सामान्य बात है।

नई दिल्ली: एआईएमआईएम के बिहार अध्यक्ष द्वारा एआईएमआईएम को महागठबंधन में शामिल करने के लिए आरजेडी प्रमुख लालू यादव को लिखे पत्र पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि आरजेडी और उसके नेता जिस मुस्लिम वोट पर अपनी पकड़ मानते हैं, वह पहले से ही बिखर रहा है। उन्होंने कहा कि अगर पिछले विधानसभा चुनाव में बंटवारा नहीं हुआ होता तो ओवैसी जी की पार्टी के विधायक कैसे जीतते? जिस एमवाई (मुस्लिम-यादव) समीकरण के सहारे आरजेडी सांप्रदायिकता और जातिवाद को बढ़ावा देकर आगे बढ़ रही थी, आज उसी समुदाय के लोगों को यह एहसास हो रहा है कि उन्हें महज वोट बैंक बनाया जा रहा है। अब वे खुद को इस्तेमाल नहीं होने देना चाहते। चिराग पासवान ने साफ तौर पर कहा कि अब मुसलमान एनडीए के साथ जुड़ रहे है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम वोट में बिखराव को रोकने के लिए सबएक जुट हो रहे हैं। बीजेपी सांसद मनन कुमार मिश्रा ने कहा कि चाहे असदुद्दीन ओवैसी हों, आरजेडी हो या कांग्रेस, ये सभी धर्म की राजनीति करते हैं, इसलिए इनका एक साथ आना सामान्य बात है। हालांकि, अभी यह थोड़ा मुश्किल लग रहा है। अभी तक कांग्रेस और आरजेडी ओवैसी को पीएम मोदी की बी टीम कहते थे। हालांकि, बिहार में बीजेपी का वोट बरकरार रहेगा, भले ही सीएम ममता बनर्जी बिहार आ जाएं, कुछ नहीं बदलेगा।

2025 के बिहार चुनाव में एनडीए सरकार बनाने जा रही है। आपको बता दें कि बिहार में एआईएमआईएम इस साल के अंत में होने वाले बिहार चुनाव में एकजुट मोर्चा बनाने और अल्पसंख्यक वोटों को एकजुट करने के लिए महागठबंधन में शामिल होना चाहती है।

सूत्रों ने बताया कि बिहार के एआईएमआईएम प्रमुख और विधायक अख्तरुल ईमान ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू यादव को एक पत्र लिखा है,

जिसमें हैदराबाद स्थित पार्टी को महागठबंधन में शामिल करने का अनुरोध किया गया है। पत्र में इमाम ने कहा कि एक साथ चुनाव लड़ने से यह सुनिश्चित होगा कि धर्मनिरपेक्ष वोट बिखरेंगे नहीं और अगली सरकार बनाने के लिए महागठबंधन के पास बेहतर अवसर होंगे।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने सिविल लाइंस में अपने कार्यालय का उद्घाटन किया

❍ दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि जन सेवा सदन में मुख्यमंत्री जनसुनवाई करेंगी। मिश्रा ने यह भी दावा किया कि यह पहली बार है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री का कार्यालय जनता के लिए खोला जा रहा है।

एजेंसी

नई दिल्ली: दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को सिविल लाइंस इलाके में राज निवास मार्ग पर अपने नए कैंप कार्यालय जन सेवा सदन का उद्घाटन किया। लोक निर्माण विभाग ने गुप्ता को एक ही मार्ग पर दो बंगले आवंटित किए हैं जिनमें से एक उनका आवास होगा और दूसरा उनका कार्यालय होगा। दिल्ली के कानून मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि जन सेवा सदन में मुख्यमंत्री जनसुनवाई करेंगी। मिश्रा ने यह भी दावा किया कि यह पहली बार है कि दिल्ली के मुख्यमंत्री का कार्यालय जनता के लिए खोला जा रहा है। कार्यालय के उद्घाटन के अवसर पर हवन किया गया जिसमें गुप्ता और उनका परिवार शामिल हुआ। दूसरे बंगले में नवीनीकरण का कार्य जारी है जहां उनका आधिकारिक आवास होगा। वह अभी उत्तरी दिल्ली के शालीमार बाग में रहती हैं।

सम्पादकीय

बेतुके विरोध की पराकाष्ठा, चुनाव आयोग के साथ ही सरकार पर भी विपक्ष के आरोप

चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूचियों के गहन परीक्षण के आदेश पर विपक्ष की प्रतिक्रिया निराशाजनक है। विपक्षी दल चुनाव आयोग और मोदी सरकार पर निराधार आरोप लगा रहे हैं जो विरोध की राजनीति को दशार्ता है। यह परीक्षण निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने लोकतंत्र को सशक्त बनाने और धांधली रोकने के लिए जरूरी है।चुनाव आयोग ने बिहार में मतदाता सूचियों के गहन परीक्षण का जो आदेश दिया, उस पर विपक्ष की हाय-तौबा हैरान करने वाली है। चुनाव आयोग के आदेश पर विपक्षी दल आयोग के साथ-साथ मोदी सरकार पर जैसे आरोप लगा रहे हैं, वे बेतुके ही नहीं, विरोध के लिए विरोध वाली राजनीति की पराकाष्ठा का भी परिचायक हैं। आखिर जब इसके पहले 2003 में मतदाता सूचियों का गहन परीक्षण किया जा चुका है तो फिर 2025 में ऐसा क्यों नहीं हो सकता? प्रश्न यह भी है कि क्या समय-समय पर चुनाव आयोग की ओर से इसका पता लगाया जाना अपराध है कि मतदाता सूचियों में दर्ज मतदाताओं के नाम, पते आदि सही हैं या नहीं? यह सब पता किया जाना तो निष्पक्ष चुनाव की बुनियादी शर्त है। यह सब लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए भी आवश्यक है और धांधली रोकने के लिए भी। क्या विपक्षी दल यह चाहते हैं कि उन मतदाता सूचियों के सहारे चुनाव कराया जाना ठीक रहेगा, जिनमें मृतकों के तो नाम होते हैं, लेकिन जीवित लोगों के नहीं। विपक्षी दलों और विशेष रूप से कांग्रेस एवं राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं की मानें तो चुनाव आयोग ने मतदाता सूचियों के परीक्षण का आदेश प्रधानमंत्री मोदी के निर्देश पर दिया है और आयोग वास्तव में उनके कहने पर लोकतंत्र को नष्ट करने पर आमादा है। क्या विपक्षी दल और विशेष रूप से कांग्रेस से यह बता सकेगी कि जब राजीव गांधी की हत्या के बाद चुनाव आयोग ने चुनाव स्थगित कर दिए थे और कांग्रेस को देश भर में राजीव गांधी की अस्थि कलश यात्राएं निकालने की सुविधा दी थी तो उसके पीछे कौन था? अच्छा हो कि विपक्षी दल चुनाव आयोग पर हास्यास्पद आरोप लगाकर अपनी जगहंसाई न कराएं। वे हरियाणा और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में कथित धांधली का शोर मचा कर पहले ही ऐसा कर चुके हैं। चुनाव आयोग को भाजपा की कठपुतली बताकर और उसके उचित कदमों का भी बेतुका विरोध करके विपक्षी दल जनता को बरगलाने में सफल नहीं हो सकते। इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि चुनाव आयोग ने बिहार में उन लोगों को राहत दे दी है, जो पिछली बार मतदाता सूचियों के परीक्षण का हिस्सा बने थे। विपक्षी दलों की ओर से यह आग्रह तो किया जा सकता है कि चुनाव आयोग मतदाता सूचियों के परीक्षण के लिए थोड़ा और समय दे, लेकिन यह मांग करना बेकार की बात है कि ऐसा होना ही नहीं चाहिए।

आज का विचार

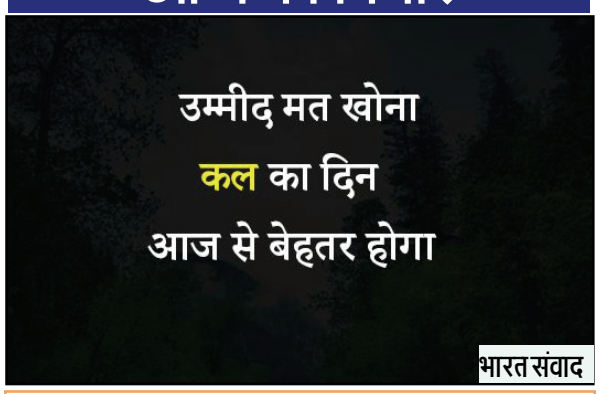

राशिफल

मेष राशि : करियरः करियर के लिहाज से दिन व्यस्त और यात्रा से जुड़ा रह सकता है. बिजनेसः व्यापार में लाभ के संकेत हैं। नए कॉन्टैक्ट बनेंगे.धनः खर्च और आमदनी में संतुलन रखना होगा. शिक्षाः छात्रों को मेहनत का फल मिलेगा. लव/पारिवारिकः परिवार में खुशी का माहौल रहेगा, संतान से शुभ समाचार मिल सकता है.

वृषभ राशिः करियरः ऑफिस में प्रेशर ज्यादा रहेगा, लेकिन आप डील कर पाएंगे. बिजनेसः मुनाफा मिलेगा लेकिन लापरवाही से बचें. धनः आज धन के नए स्त्रोत बन सकते हैं.शिक्षाः थोड़ी परेशानी आएगी, फिर भी मेहनत से सफलता मिलेगी. लव/पारिवारिकः जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा.

मिथुन राशिः करियरः नई नौकरी के अवसर मिल सकते हैं. बिजनेसः थोड़ी अस्थिरता रहेगी लेकिन लाभ की संभावना बनी हुई है. धनः फाइनेंशियली दिन अच्छा रहेगा. शिक्षाः आज आपकी पढ़ाई में नई गति आएगी. लव/पारिवारिकः अनबन खत्म होगी, रिश्ते बेहतर बनेंगे.

कर्क राशिः करियरः मेहनत का अच्छा फल मिल सकता है.बिजनेसः व्यापार में नए ग्राहक जुड़ सकते हैं.धनः निवेश सोच-समझकर करें. शिक्षाः नया विषय चुनने का मन बनेगा लव/पारिवारिकः जीवनसाथी से वाद-विवाद से बचें.

सिंह राशिः करियरः ऑफिस में जिम्मेदारी बढ़ सकती है. बिजनेसः लाभ मिलने के संकेत हैं.धनः पुराने रुके धन की वापसी हो सकती है. शिक्षाः सफलता के योग हैं.लव/पारिवारिकः परिवार में अनबन की स्थिति बन सकती है.

कन्या राशि : करियरः काम का बोझ रहेगा लेकिन अच्छे परिणाम भी मिलेंगे. बिजनेसः ग्राहकों की संख्या बढ़ेगी, मुनाफा अच्छा रहेगा.धनः खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी है. शिक्षाः पढ़ाई में मन लगेगा, अध्यापक का सहयोग मिलेगा.

तुला राशिः करियरः बॉस आपके काम से खुश होंगे. बिजनेसः व्यापार में प्रतिस्पर्धा रहेगी लेकिन सफलता मिलेगी. धनः खर्च बढ़ सकता है, सोच-समझकर करें.शिक्षाः सीनियर से सलाह मिलेगी. लव/पारिवारिकः प्यार व परिवार दोनों के बीच संतुलन जरूरी है. उपायः मिठाई का दान करें.

वृश्चिक राशि : करियरः आज कार्यभार ज्यादा रहेगा. बिजनेसः जल्दबाजी से बचें, सोचकर निर्णय लें. धनः खर्च बढ़ सकते हैं. शिक्षाः पढ़ाई से जुड़े कामों में व्यस्तता रहेगी. लव/पारिवारिकः प्रेम संबंधों में स्थिरता आएगी. उपायः घर के बुजुर्गों की सेवा करें.

धनु राशिः करियरः प्रमोशन के योग बन रहे हैं. बिजनेसः ग्राहकों से बहस न करें. धनः रुका पैसा वापस मिलने की संभावना है. शिक्षाः परीक्षाफल अनुकूल रहेगा. लव/पारिवारिकः रिश्ते को संभालकर रखें. उपायः दुर्गा चालीसा का पाठ करें.

मकर राशिः करियरः अच्छे मौके मिल सकते हैं. बिजनेसः नई प्रॉपर्टी खरीदने का योग बन रहा है. धनः निवेश सोच-समझकर करें. शिक्षाः मेहनत ही सफलता की कुंजी है.

कुंभ राशिः करियरः किसी जरूरतमंद की मदद करेंगे. बिजनेसः व्यापार के विस्तार की योजना बनेगी. धनः फिजूल खर्ची से बचें. शिक्षाः पढ़ाई में मन लगेगा. लव/पारिवारिकः पुराने मित्र से मुलाकात संभव है. उपायः बच्चों को खिलौना दें. लकी कलरः पीला लकी नंबरः 13

मीन राशिः करियरः कामकाज में बाधाएं आ सकती हैं, धैर्य रखें. बिजनेसः फंडिंग की जरूरत महसूस होगी. धनः धन लाभ होगा लेकिन बचत जरूरी है. शिक्षाः पढ़ाई में ज्यादा मेहनत करनी होगी. लव/पारिवारिकः लव लाइफ में पॉजिटिव बदलाव आएंगे. उपायः कुत्तों को बिस्किट खिलाएं. लकी कलरः गोल्डन लकी नंबरः 15

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

सुधार के नाम पर शिक्षा से खिलवाड़, सरकारी कदम पर विवाद और चिंताएं

आंकड़े बताते हैं कि इसके लागू होने के बाद से इन विश्वविद्यालयों में लड़कियों के दाखिले में 30 प्रतिशत तक की कमी आई है। दिल्ली विश्वविद्यालय में ही नामांकन अब केवल उत्तर भारत के तीन-चार राज्यों तक सीमित होकर रह गया है जिसमें कभी पूरे देश के मेधावी युवा आते थे।

पा शिक्षा में सुधार के कुछ सरकारी कदम विवादास्पद बनते जा रहे हैं। हाल में उत्तर प्रदेश सरकार ने करीब 5,000 स्कूलों को बंद करने का निर्णय लिया है। इससे पहले राजस्थान और अन्य राज्यों की सरकारें भी हजारों स्कूलों को विलय के नाम पर बंद कर चुकी हैं। तर्क दिया जा रहा है कि जहां 50 से कम बच्चे हैं, उन्हें नजदीकी स्कूल में स्थानांतरित किया जाएगा। जो लोग देश के छह लाख से अधिक गांवों से परिचित हैं, वे शिक्षा पर इसके भयानक दुष्परिणाम की कल्पना कर सकते हैं। लगातार प्रयासों के बाद हमारी साक्षरता दर 80 प्रतिशत तक पहुंची है, जिसमें लड़कियों की साक्षरता दर विशेष रूप से उत्तर भारत में बहुत कम है। बिहार और उत्तर प्रदेश की स्थिति तो समग्र साक्षरता में निराशाजनक है। यदि नजदीकी स्कूल बंद हुए, तो इसका सबसे बुरा असर लड़कियों की शिक्षा पर पड़ेगा, जो किसी भी समाज और देश के विकास के लिए एक बुनियादी शर्त है। देश की लड़कियां कम सुविधाओं के बावजूद हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं, लेकिन कुछ नीतियां उलटे उनके खिलाफ जाती दिख रही हैं। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए लाई गई नई प्रवेश परीक्षा सीयूईटी ने भी उनके नामांकन पर असर डाला है। आंकड़े बताते हैं कि इसके लागू होने के बाद से इन विश्वविद्यालयों में लड़कियों के दाखिले में 30 प्रतिशत तक की कमी आई है। दिल्ली विश्वविद्यालय में ही नामांकन अब केवल उत्तर भारत के तीन-चार राज्यों तक सीमित होकर रह गया है, जिसमें कभी पूरे देश के मेधावी युवा आते थे। इस बीच विदेश में पढ़ने वालों की संख्या पिछले पांच वर्षों में दोगुनी से भी अधिक हो गई है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम कहता है कि पहली से पांचवीं कक्षा तक हर बच्चे के लिए एक किलोमीटर पर स्कूल होना चाहिए और छठी से आठवीं कक्षा तक हर बच्चे के लिए तीन किलोमीटर के दायरे में ही स्कूल होने चाहिए। संभवतः उत्तर प्रदेश सरकार ने इस पक्ष पर गंभीरता से विचार नहीं किया है। इसके पीछे वे नीति निमार्ता प्रतीत होते हैं जिनमें से अधिकतर नगरों, महानगरों और विदेश और अंग्रेजी माध्यम में पढ़े हैं। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान शिक्षा में कुछ अच्छे काम किए थे, जिसमें 60 हजार शिक्षकों की भर्ती भी शामिल थी। इससे सभी स्कूलों में योग्य शिक्षक उपलब्ध हो गए हैं। इस बीच शौचालय और अन्य भवनों में भी बहुत सुधार हुआ है, लेकिन अकेले इस कदम से पिछले दशकों में साक्षरता, शिक्षा और स्कूलों को बेहतर करने के प्रयासों को बहुत बड़ा धक्का लगेगा। इस यू-टर्न से भारत के विकसित देश बनने का सपना बिखर सकता है। इस बात की गहराई से पड़ताल होनी चाहिए कि सरकारी स्कूलों में बच्चे क्यों कम हो रहे हैं? शिक्षकों पर कुछ अन्य अतिरिक्त काम जैसे- जनसंख्या से जुड़े आंकड़े जुटाने, चुनाव कराने, बैंक खाता खुलवाने, मिड डे मील योजना को लागू करने जैसी जिम्मेदारियां कम क्यों नहीं की जा सकती हैं? क्यों जिला स्तर पर इन स्कूलों में निरीक्षण और उनकी समस्याएं सुनने का तंत्र विकसित नहीं हो पाया है? उनके मोटिवेशन के लिए जिला स्तर पर ठोस कदम क्यों नहीं उठाए जा रहे हैं? सर्वे बताते हैं कि जिला अधिकारी मुश्किल से पांच प्रतिशत सरकारी स्कूलों में जाते हैं। सरकारी स्कूलों में सरकार छात्रों को यूनिफार्म देती है, वजीफा देती है, कोई फीस नहीं लेती और प्रतियोगी परीक्षाओं से चुने हुए योग्य शिक्षक नियुक्त होते हैं। इसके बावजूद वहां बच्चे नहीं आते। यह आजाद भारत के लिए सबसे बड़ी विडंबना है। यह सरकारी तंत्र की असफलता है। 2015 में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने निर्णय भी दिया था कि हर सरकारी कर्मचारी, विधायक आदि के बच्चों का इन स्कूलों में पढ़ना अनिवार्य हो। विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए सरकार को इसे लागू करना चाहिए। इसके साथ-साथ स्कूलों में पुस्तकालय, प्रयोगशाला और बेहतर पाठ्यक्रम अपनी भाषा में बनाया जाना चाहिए। इससे बच्चे अंग्रेजी के बोझ से मुक्त होंगे और आत्मनिर्भर भी बनेंगे। जिला स्तर पर इस बुनियादी परिवर्तन से ही सरकारी स्कूल चमकने लगेंगे। नई शिक्षा नीति के नियम का भी इस पर असर पड़ा है। नियम कहता है कि पहली क्लास में छह वर्ष से कम उम्र के बच्चों का नामांकन नहीं होगा। इसके चलते बच्चे सरकारी स्कूलों में आने बंद हो गए हैं। इस बीच कुकुरमुत्ते की तरह बिना ठीक-ठाक बिल्डिंग, शौचालय, खेल की सुविधाओं के निजी स्कूलों में दाखिले की बाढ़ आ गई है। एक बार बच्चा वहां दाखिल हो गया, तो उसे निकालना आसान नहीं होता। इसलिए दाखिले की उम्र तुरंत पांच वर्ष करने की जरूरत है। इन स्कूलों में शिक्षक भर्ती की योग्यता का भी कोई पैमाना नहीं है। रोजगार का पक्ष भी उतना ही महत्वपूर्ण है। बेरोजगार नौजवानों में बढ़ता असंतोष बहुत दुर्भाग्यपूर्ण होगा और राज्यों के आने वाले विधानसभा चुनावों पर भी इसका असर हो सकता है। हर वर्ष 25 जून को हम आपातकाल को याद करते हैं, जिसमें लोगों की आवाज को पूरी तरह से अनसुना कर दिया गया था या रोक दिया गया था। बेहतर शिक्षा, समान शिक्षा हर लोक का हक है। और यही लोकतंत्र है। सरकार को इन सब बातों पर गंभीरता से पुनर्विचार की जरूरत है।

ग्लोबल हिंसा-युद्ध बड़े शासकों की सनक का परिणाम

संजीव ठाकुर

किसी भी विचार या मुद्दों से असहमती के प्रतिफल में हिंसा या क्रूरता नहीं की जा सकती। विचारों से असहमति और हिंसा के विरोध में प्रतिहिंसा समस्या का हल नही हो सकता है। सबसे ताजा क्रूर और हिंसात्मक परिणाम फिलिस्तीन-इजरायल युद्ध के रूप में सामने आया है। जिसमें 20000 लोगों की जान चली गई और 50000 लोगों से ज्यादा घायल मानविय शरीर कराह रहे हैं। इसराइल ने फिलीस्तीन, हमास, लेबनान को तबाह कर दिया है आतंकवादी संगठन हिजबुल्लाह को नेस्तनाबूत करने की बात तो एक बार समझ में आती है पर लेबनान के 50 लाख लोगों को देश छोड़ने पर मजबूर कर देना तानाशाही का एक भयानक रूप ही दिखाई देता है। इसके बाद भी उसकी हिंसा की प्यास नहीं बुझी है और अमेरिका ईरान इजरायल युद्ध में अमेरिका ने युद्ध के सबसे बड़े हथियार रूपी हवाई जहाज से ईरान ईरान के संग्रहण ठिकानों में हवाई हमला कर युद्ध का रौद्र रूप दिखाया इजरायल ईरान आपस में बैलिस्टिक मिसाइल से हमला कर एक दूसरे के महत्वपूर्ण ठिकानों को तबाह कर दिया है दूसरी तरफ रूस यूक्रेन युद्ध को 2 साल से ज्यादा समय हो चुका है इस युद्ध ने दोनों देशों के लाखों लोगों को बेघर कर दिया गया है और हजारों लोगों की जान चली गई है। दोनों देशों के अरबों रुपए इस युद्ध में खर्च हो चुके हैं यदि इस धनराशी का विकास के लिए मानव शांति के लिए उपयोग किया गया होता तो आज दोनों देशों में शांती के साथ विकास भी होता नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने अमेरिका को इजराइल का साथ न देने की स्पष्ट चेतावनी देकर कहा है कि यदि वह इजराइल पिलिस्तानी लेबनान ईरान युद्ध में बीच में आया तो उत्तर कोरिया अमेरिका पर परमाणु हमला कर देगा। जब तक विश्व में व्लादिमीर पुतिन, सी जिन पिंग, नेतन्याहू और किम जोंग-उन जैसे खून के प्यासे तानाशाह रहेंगे विश्व में शांति स्थापना की कल्पना करना नामुमकिन ही होगा। आज वैश्विक शांति में खलबली मची हुई है। धरती विश्व युद्ध की ओर बढ़ रही है। ऐसे में भारत जैसे शांतिप्रिय, निर्गुण देश को भी सावधान और सतर्क हो जाना चाहिए। उसके परंपरागत शत्रु चीन और पाकिस्तान भी हमेशा भारत की सीमा में घात लगाए बैठे रहते हैं और आक्रमण का खतरा भी सदैव बना रहता है। आइये भारत का एक रचनात्मक विश्लेषण करते हैं-:

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक, प्रजातांत्रिक स्वतंत्र राष्ट्र है।यहां वैचारिक चिंतन, प्रभुद्धता लोकतंत्र के प्रमुख अवयव होते हैं, राष्ट्र के किसी भी नीति में सहमत और असहमत होना एक सामान्य प्रक्रिया-प्रतिक्रिया हो सकती है, और आम जनमानस का किसी मुद्दे पर आप सहमत होना भी एक सामान्य बात हो सकती है पर किन्ही भी परिस्थितियों में असहमति हिंसा के रूप में कतई बर्दाश्त के योग्य नहीं होनी चाहिए, विरोध का स्वरूप राष्ट्रीय संपत्ति की बबार्दी तो किसी भी काल और खंड में स्वीकार्य नहीं है। यह राष्ट्र के लिए घातक और विकास की अवधारणा को अवरुद्ध करने वाला आत्मघाती कदम है।आंदोलन का स्वरूप सदैव शांति पूर्वक हो तो राष्ट्र तथा आमजन के हित में ही होगा। आंदोलनकारियों को शायद यह गुमान नहीं है कि राष्ट्रीय सरकारी संपत्ति आपके द्वारा दिए गए टैक्स के रूप में रुपयों से ही निर्मित होती है, इसे नष्ट करके आप स्वयं अपनी संपत्ति का नुकसान ही कर रहे हैं। आजादी के बाद से भारत के समक्ष कई सामाजिक आर्थिक समस्याएं आई है। अक्सर सामाजिक क्षेत्र में समस्याओं ने अर्थव्यवस्था की उत्तरोत्तर प्रगति पर अवरोध खड़े किए हैंह्न देश की सामाजिक विषमताओं ने समाज में कई समस्याओं को जन्म दिया है एवं आर्थिक प्रगति पर विभिन्न सोपानों में लगाम लगाई है। भारतीय समाज में विषमता एवं विविधता भारत के लिए एक बड़ी समस्या बनकर सामने खड़ी है। स्वतंत्रता के पूर्व तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारतीय समाज में विषमताएं भारत के लिए चुनौती बनकर वर्तमान में कई बाधाएं उत्पन्न कर रही हैं। आज जातिगत संघर्ष बढ़ गए हैं, जातिगत संघर्षों को राजनीतिक महत्वाकांक्षा ने बहुत क्लिष्ट बना दिया है। राजनीति सदैव महत्वाकांक्षा के बल पर जातिगत समीकरण को नए-नए रूप तथा आयाम देती आई है और सदैव समाज में वर्ग विभेद आर्थिक विभेद कर के अपना उल्लू सीधा करना मुख्य ध्येय बन चुका है। उच्च वर्ग तथा निम्न वर्ग सदैव सत्ता के संघर्ष के लिए न सिर्फ एक दूसरे का परस्पर विरोध करते है बल्कि शासन प्रशासन के विरोध में भी सदैव खड़े पाए गए हैं। सत्ता पाने की लालसा में जातीय संघर्ष, नक्सलवाद तेजी से समाज में पनपता जा रहा है। भारतीय परिपेक्ष में आज सिर्फ जाती ही नहीं धार्मिक महत्वाकांक्षा देश के समाज के समक्ष चुनौती बन गया है। भारत में हिंदू मुस्लिम जाति संघर्ष ऐतिहासिक तौर पर अपनी जड़ें जमां चुका है, वर्तमान में मंदिर और मस्जिद के झगड़े देश में अशांत माहौल पैदा करने का एक बड़ा सबक बन चुके है।और यही वर्ग विभेद संघर्ष भारतीय आर्थिक विकास के बीच एक बड़ा अवरोध बनकर खड़ा है। पश्चिमी विद्वान भी कहते हैं कि भारत के राष्ट्र के रूप में विकसित होने में जाति एवं धर्म ही सबसे बड़ी बाधाएं हैं जिन्हें दूर करना सर्वाधिक कठिन कार्य है क्योंकि इसकी जड़ें भारत के स्वतंत्रता के पूर्व से देश में गहराई लिए हुए हैं। जातीय वर्ग संघर्ष और भाषाई विवाद ऐसा मुद्दा रहा है जिससे लगभग एक शताब्दी तक भारत आक्रांत रहा है। आजादी के बाद से ही भाषा विवाद को लेकर कई आंदोलन हुए खासकर दक्षिण भारत राज्यों द्वारा हिंदी को राष्ट्र भाषा बनाए जाने एवं देश पर हिंदी थोपे जाने के विरोध में विरोध प्रदर्शनों को प्रोत्साहित किया गया। आज भी विभिन्न राज्यों में भाषाई विवाद एक ज्वलंत एवं संवेदनशील मुद्दा बना हुआ है, चाहे वह बंगाल हो, तमिलनाडु हो, आंध्र प्रदेश हो, उड़ीसा और महाराष्ट्र में भी भाषाई विवाद अलग-अलग स्तर पर सतह पर पाए गए हैं। समान सिविल संहिता को लेकर बहुसंख्यक संविधान में आक्रोश है दूसरी तरफ अल्पसंख्यक समुदाय इसलिए डरा हुआ है कि कहीं उसकी अपनी अस्मिता एवं पहचान अस्तित्व हीन ना हो जाए। स्वतंत्रता के बाद से यह विकास की मूल धारणा थी कि पंचवर्षीय योजनाओं में वर्ग विहीन समाज में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष तरीके से समाज का आर्थिक विकास तथा रोजगार के साधन उपलब्ध हो सकेंगे। पर स्वतंत्रता के 77 साल के बाद भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में वर्ग विभेद भाषाई विवाद ने अभी भी आर्थिक विकास में कई बाधाएं उत्पन्न की है। समाज की मुख्यधारा में राष्ट्रवाद को एक प्रमुख अस्त्र बनाकर देश की प्रगति में इसका इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

व्यंग्य : अब मांगलिक नहीं दांगलिक योग देखकर करें शादी

(मुकेश कबीर)

बड़ा लोचा है आजकल, बहुत खबरें मिल रही हैं कि पत्नियां अब पतियों को निपटाने में लगी हैं, पति पहले ही बेचारा अधमरा था अब तो पूर्णमरा होने लगा, कोई शादी से पहले मर रहा है, कोई शादी के बाद। कोई कोई तो हनीमून से ही वापस नहीं लौट रहा, हनीमून के पहले चरण में ही पति ईश्वर के चरण में और पत्नी पुलिस की शरण में। अब पुलिस का एक काम और बढ़ गया है कि हनीमून पर क्या क्या हुआ उसको फिर से रीक्रिएट करके दिखाना। लेकिन इस रिक्रिएशन में क्या क्या शामिल है पता नहीं क्योंकि हमने तो अभी तक हनीमून मनाया ही नहीं। इसलिए वहां क्रिएट क्या होता है यह ही नहीं मालूम तो फिर रीक्रिएट का तो सवाल ही नहीं। खैर, तो बात कुल मिलाकर यह है कि अब शादी पहले जैसी नहीं रही, अब सिलेबस बदल चुका, मंगनी से लेकर टंगनी तक , अरे टंगनी मतलब जब एक मरेगा तो दूसरा टंगेगा न।अब कौन मरेगा और कौन टंगेगा यह डिपेंड करेगा कि हनीमून पर किसके साथ ज्यादा लोग जाते हैं। पहले सिर्फ पति पत्नी जाते थे हनीमून पर लेकिन अब बॉयफ्रेंड का सिस्टम भी शुरू हो गया। देखो भैया, त्रेता युग में महारानी कैकेई के साथ मायके से मंथरा आई थी उसने रायता फैला दिया, फिर द्वापर युग में गांधारी के साथ शकुनि आया तो उसने बखेड़ा कर दिया अब कलजुग में तो ब्वॉयफ्रेंड ही ऑथराइज्ड है , इसलिए पंडित जी से कुंडली मिलवाते समय यह मत पूछना कि लड़की मांगलिक है या नहीं, अब पूछना कि लड़की दांगलिक है या नहीं ? मांगलिक वो होती है जिसकी कुंडली में मंगल बैठा हो और दांगलिक वो जिसकी कुंडली में ब्वॉयफ्रेंड बैठा हो और यह योग कितना प्रबल है यह भी जरूर पता कर लेना, प्रबल से मतलब कितने बॉयफ्रेंड हैं क्योंकि पहले की तरह आजकल एक से काम नहीं चलता। जैसे पहले एक फ्लैट, एक गाड़ी, एक नौकरी होती थी लेकिन आजकल सब एक से ज्यादा होने लगे तो ब्वॉयफ्रेंड भी एक नहीं होगा, यह बात अच्छे से समझ लो। लेकिन सॉरी मैं समझ की बात क्यों कर रहा हूं, यह समझ से परे है क्योंकि लालबुझक्कड़ चच्चा ने कहा था कि शादी और समझ की बात एक साथ मत किया करो। खैर, तो बात सिर्फ इतनी सी है कि शादी से पहले ब्वॉयफ्रेंड की पूरी जानकारी उसी तरह ले लेना जैसे आधार कार्ड वाले खोद खोदकर सारी बातें पूछते हैं, उसके फिंगर प्रिंट भी पहले ही ले लेना, बाद में पुलिस को दिक्कत न हो । किसी की कुंडली में ब्वॉयफ्रेंड का योग हो तो सबसे पहले शर्त यही रख देना कि बॉयफ्रेंड हिंसावादी नहीं होना चाहिए, आखिर हम गांधीजी के देश में रह रहे हैं फिर हिंसक ब्वॉयफ्रेंड की क्या जरूरत है ? भाई करना है तो सत्याग्रह करो, आमरण अनशन करो सीधे मर्डर क्यों करना और वो भी हनीमून पर ? अरे हनीमून तो प्यार के लिए होता है, एक दूसरे को समझने के लिए होता है जान लेने के लिए थोड़ी होता है, ब्वॉयफ्रेंड के साथ हनीमून मनाने वक्त भी तो उसका मर्डर नहीं किया न, तो बस वैसा भी गांधीवादी हनीमून पति के साथ मना लो उसमें दिक्कत क्या है ? आखिर हनीमून के बाद भी तो पति की रोज रोज जान खाना ही है, फिर एक झटके में जान क्यों लेना, पहले की तरह रोज रोज खाइए किसने रोका है ? और इतने एग्रीमेंट के बाद भी कोई लोचा दिखे तो शादी से पहले ही ट्रंप अंकल से बात जरूर कर लेना क्योंकि कोई भी झगड़ा लफड़ा हो तो समझौता कराने वो ही आयेंगे। लड़ाई रुकवाने में भूरा भाई का कोई जवाब नहीं, भूरा भाई ने जब पाकिस्तान और ईरान को ठुकने से बचा लिया तो हमें नहीं बचायेंगे क्या ? इसलिए भैया, सब काम सावधानी से करो, सावधानी में ही सुरक्षा है

रेलगाँव कॉलोनी सूबेदारगंज में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन

भारत संवाद

दिनांक 04 जुलाई 2025 दिन शुक्रवार को रेलगाँव कॉलोनी सूबेदारगंज उत्तर मध्य रेलवे में पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इस बरसातके मौसम का लाभ उठाने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया । नये वृक्षो को लगाने का उद्देश्य प्रकृति को हरा भरा करना एवं वातावरण को शुद्ध बनाना है । इस वृक्षारोपण में विभिन्न किस्म के लगभग 50 फलदार पौधो को लगाया गया जिनमे प्रमुखतः नींबू, करोंदा, आवला, अनार इत्यादि सम्मालित थे ।इस दौरान पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए मुख्य पर्यावरण प्रबन्धक/श्री शिव कुमार नें सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करने की सलाह दी । यह कार्यक्रम श्री शिव कुमार, मुख्य पर्यावरण प्रबन्धक के मार्गदर्शन में विभिन्न पर्यवेक्षकों एवं हॉर्टिकल्चर कर्मियों द्वारा सम्पन्न किया गया ।

मंत्री नन्दी के पहल पर जरूरतमंद मरीजों तक पहुंची 2.26 करोड़ की आर्थिक मदद

अप्रैल, मई और जून में 107 मरीजों को उपलब्ध कराई गई सहायता

भारत संवाद

- गम्भीर बीमारियों से पीड़ित मरीजों की मदद के लिए कैबिनेट मंत्री नन्दी ने लगा रखी है युवाओं की टीम
- क्षेत्र में भ्रमण कर पूछते हैं लोगों की समस्या, कागजी कार्रवाई को पूरी कराकर दिला रहे प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ
- मंत्री नन्दी खुद करते हैं लोगों को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं की समीक्षा

गम्भीर बीमारियों का ईलाज करा रहे दर्जनों लोगों को उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी के प्रयास से हर महीने आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है, जो आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए जीवनदायिनी साबित हो रही है। अप्रैल, मई और जून महीने में मंत्री नन्दी के प्रयास से प्रयागराज व अन्य क्षेत्रों के 107 मरीजों को ईलाज के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष से दो करोड़ 26 लाख 14 हजार 102 रूपए की धनराशि उपलब्ध कराई गई। जिससे मरीजों का जहां बेहतर ईलाज सम्भव हो पाया, वहीं कईयों को नया जीवन मिला। मंत्री नन्दी के प्रयास से कैंसर, किडनी, हड्डी रोग, हृदय रोग, आर्थराइटिस के साथ ही अन्य गम्भीर बीमारियों का ईलाज कराने के लिए अप्रैल महीने में 52 मरीजों को 1,01,55,602 रुपए, मई महीने में 38 मरीजों को 77,73,500 रुपए और जून महीने में 17 मरीजों को 48,85,000 रुपए की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई।जिसकी मदद से लोगों ने अपना उपचार कराया। जिनमें प्रयागराज शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के मुट्ठीगंज, चौक, नार्थ मलाका, साउथ मलाका, नैनी, शाहगंज, सदियापुर, कांशीराम आवास नैनी, अकबरपुर, अहमदगंज, हिम्मतगंज, मालवीय नगर, खुशहाल पर्वत, जीटीबी नगर करेली, कटघर, मीरापुर, कीडगंज, तुलसीपुर के साथ ही अन्य जनपदों एवं विधानसभा क्षेत्रों के लोग शामिल हैं।आर्थिक तंगी और अभाव भरी जिंदगी को पूर्व में पूरी रह से जीने वाले उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी यह जानते हैं कि किसी भी बीमारी का ईलाज कराना हर व्यक्ति के लिए सम्भव नहीं है। एक छोटा-मोटा व्यक्ति या व्यवसाय करने वाला जब गम्भीर स्वास्थ्य संकट में हो और पूरी जमा पूंजी समाप्त हो जाए तो केवल ईश्वर से प्रार्थना का ही सहारा बचता है।

फास्ट ट्रैक

थाना विन्ध्याचल पुलिस द्वारा दहेज हत्या के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्ता गिरफ्तार

भारत संवाद

थाना विन्ध्याचल जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 04.06.2025 को वादी उर्मिला देवी पत्नी स्व0 शिव प्रकाश निवासिनी परानीपुर थाना मेजा जनपद प्रयागराज द्वारा नामजद अभियुक्तों के विरूद्ध वादी की पुत्री की दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करने एवं जान से मार देने के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई । उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना विन्ध्याचल पर मु0अ0सं0-176/2025 धारा 80,85 बीएनएस व श डीपी एक्ट पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई । सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता पूर्वक लेते हुए महिला सम्बन्धित अपराध में त्वरित कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों की यथाशीघ्र गिरफ्तारी हेतु क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में थानाध्यक्ष विन्ध्याचल को निर्देश दिये गये ।उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः 04.07.2025 को थानाध्यक्ष वैद्यनाथ सिंह मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित अभियुक्ता श्यामकली पत्नी नन्दलाल निवासी बिरौरा थाना विन्ध्याचल जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना को0देहात पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी गिरफ्तार

भारत संवाद

वरिष्ठपुलिस अधीक्षक मीरजापुर सोमेन बर्मा द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना को0देहात पुलिस द्वारा 01 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया । आज दिनांकः 04.07.2025 को उप निरीक्षक कुमार संतोष मय पुलिस टीम द्वारा 01 नफर वारण्टी सीमा यादव पत्नी बब्लू यादव निवासी भरूहना थाना को0देहात जनपद मीरजापुर को उनके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया ।

थाना लालगंज पुलिस द्वारा 15 लीटर अवैध देशी शराब के साथ 01 अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान तथा अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री में संलिप्त अभियुक्तों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त थाना प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये है । उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः 04.07.2025 को उप-निरीक्षक सुभाष चन्द्र यादव मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना लालगंज क्षेत्र से 01 नफर अभियुक्त लाला पुत्र लालता निवासी टीकोरा थाना लालगंज जनपद मीरजापुर को 15 लीटर अवैध देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना लालगंज पर अन्तर्गत धारा 60 आबकारी अधिनियम पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गई ।

महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे ने किया प्रयागराज - कानपुर खण्ड का निरीक्षण

कानपुर सेंट्रल के विकास कार्यों सहित लोको शेड, बहुद्देश्यीय मंडलीय प्रशिक्षण केंद्र (MDTI) का अवलोकन

भारत संवाद

आज दिनांक 04 जुलाई, 2024 को महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे, श्री उपेंद्र चन्द्र जोशी ने प्रयागराज मंडल के प्रयागराज-कानपुर खण्ड में निरीक्षण स्पेशल ट्रेन से विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया । महाप्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे ने कानपुर में लोको शेड, टीएमएस, बहुद्देश्यीय मंडलीय प्रशिक्षण केंद्र के निरीक्षण के साथ स्टेशन पुनर्विकास योजना के अंतर्गत विकसित किए जा रहे कानपुर सेंट्रल स्टेशन के विकास कार्यों का जायजा भी लिया । इस दौरान मुख्य इंजीनियर/ निर्माण श्री अजय सिंह, मण्डल रेल प्रबंधक प्रयागराज मंडल श्री रजनीश अग्रवाल, उप मुख्य यातायात प्रबंधक/कानपुर श्री आशुतोष सिंह, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक/समन्वय, श्री आकांशु गोविल; वरिष्ठ मंडल सिग्नल एवं टेलिकॉम इंजीनियर/ सिग्नल, श्री उज्वल गुप्ता; वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर/टीआरडी, श्री वीरेंद्र वर्मा; वरिष्ठ मण्डल विधयुत इंजीनियर/ लोको शेड, श्री राहुल त्रिपाठी, उप मुख्य परियोजना प्रबंधक/ जी एस यू श्री डी के भारद्वाज सहित अन्य अधिकारी व निरीक्षक उपस्थित रहे । महाप्रबंधक महोदय द्वारा प्रयागराज झ कानपुर खण्ड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया । ज्ञात हो कि विंडो-ट्रेलिंग निरीक्षण भारतीय रेल में एक विशेष निरीक्षण है, जिसमें चलती ट्रेन से एक निरीक्षण कार की पिछली खिड़की से ट्रैक और उसके आसपास के प्रतिष्ठानों जैसे सिग्नल, ओएचई, प्लेटफॉर्म आदि का निरीक्षण किया जाता है। निरीक्षण के दौरान, मार्ग में पड़ने वाले स्टेशनों की सफाई और समग्र स्थिति, विशेष रूप से प्वाइंट और क्रॉसिंग पर ट्रेन की सवारी की गुणवत्ता, ट्रैक ज्योमेट्री इंडेक्स (टीजीआई) में सुधार, ओएचई स्थिति, समपार फाटकों की स्थिति जैसे महत्वपूर्ण पैरामीटर चेक किए जाते हैं । निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक महोदय द्वारा लोको शेड, कानपुर का बारीकी से अवलोकन किया ।इस दौरान महाप्रबन्धक महोदय ने लोको शेड में रेनोवेटेड कार्यालयों का उदघाटन किया।

प्रयागराज में एमएसडी फार्मास्युटिकल्स ने स्माइल ऑन व्हील्स प्रोजेक्ट की शुरूआत की

भारत संवाद

प्रयागराजः एमएसडी फार्मास्युटिकल्स इंडिया और स्माइल फाउंडेशन ने आज प्रयागराज के भगवतपुर ब्लॉक में स्माइल ऑन व्हील्स मोबाइल क्लिनिक सेवा शुरू की।इस पहल का मकसद 12 गांवों में रहने वाले लगभग 70,000 लोगों को उनके घर के पास ही प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना है ।प्रयागराज पश्चिम के विधायक श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह ने इस मोबाइल मेडिकल यूनिट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। श्री सिंह ने कहा, मैं एमएसडी फार्मास्युटिकल्स और स्माइल फाउंडेशन का आभार प्रकट करता हूं जिन्होंने इस जनहित में स्वास्थ्य सेवा को हमारे क्षेत्र तक पहुंचाया।खासकर गांव की महिलाओं को इसका सीधा लाभ मिलेगा क्योंकि अब इलाज उनके दरवाजे तक पहुंचेगा।मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. ए. के. तिवारी ने कहा, हमारी देखरेख में इस योजना आम लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए तैयार हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि हम मिलकर इस क्षेत्र के लोगों। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं समय पर पाएंगे। इस मोबाइल क्लिनिक में एक एमबीबीएस डॉक्टर, पैरा-मेडिकल स्टाफ, बेसिक जांच सुविधाएं, और निःशुल्क ओपीडी व दवाएं उपलब्ध होंगी।साथ ही, सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं और रोकथाम पर आधारित जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे।इस पहल के जरिए गर्भावस्था देखभाल, टीकाकरण, डायबिटीज और ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों की जांच, साथ ही प्रसव पूर्व और प्रसवोत्तर सलाह भी दी जाएगी। इसके अलावा आईईसी (सूचना, शिक्षा और संवाद) गतिविधियों के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाएगा। अगर किसी मरीज को किसी विशेष इलाज की जरूरत होगी, तो उसे आगे रेफर भी किया जाएगा। इस तरह यह योजना लोगों के खर्च कम करने और समय पर इलाज पाने की दिशा में मदद करेगी। एमएसडी और स्माइल फाउंडेशन पहले से उत्तर प्रदेश के पांच जिलों – सोनभद्र, वाराणसी, गोरखपुर, लखनऊ और बहराइच – में इस सेवा का संचालन कर रहे हैं ।एमएसडी इंडिया रीजन के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री रेहान ए. खान ने कहा, सभी लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना एमएसडी की प्राथमिकता है। हमें गखुशी है कि अब हम प्रयागराज के ग्रामीण इलाकों में भी अपनी योजना के तहत लोगों को नजदीक से स्वास्थ्य सुविधाएं दे पा रहे हैं ।स्माइल फाउंडेशन के को-फाउंडर श्री शंतनु मिश्रा ने कहा, स्वास्थ्य सेवा किसी भी समुदाय की तरक्की आधार है। मोबाइल मेडिकल यूनिट एक प्रभावी तरीका है जिससे सेवा सीधे लोगों तक पहुंचती है ।एमएसडी के साथ साझेदारी से हमारा प्रयास और मजबूत हुआ है।

इफको फूलपुर इकाई ने ग्राम चैमलपुर,फूलपुर में जागरूकता कार्यक्रम के रूप में किसान चौपाल का किया आयोजन

भारत संवाद

इफको फूलपुर इकाई ने ग्राम चैमलपुर,फूलपुर में जागरूकता कार्यक्रम के रूप में किसान चौपाल का आयोजन किया। इस अवसर पर कोर्डेट प्राचार्य डॉ डी.के.सिंह ने कृषकों को संबोधित करते हुए कहा कि नैनो डीएपी तरल का प्रयोग बीज शोधन हेतु करें। बीजों को 5 मि.ली. नैनो डीएपी प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करने के पश्चात 30-35 मिनट तक छांव में सुखाना चाहिए, तत्पश्चात ही बुवाई करें। उन्होंने यह भी बताया कि नैनो डीएपी और नैनो यूरिया प्लस का छिड़काव फसल की वृद्धि एवं पोषण के लिए लाभकारी है। जनसम्पर्क अधिकारी स्वयम्प्रकाश ने कहा कि नैनो उर्वरकों का प्रयोग टिकाऊ खेती एवं पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य कृषकों को नवीन कृषि तकनीक, नैनो उर्वरकों के लाभ, मृदा संरक्षण, एवं मिट्टी की जांच की आवश्यकता के प्रति जागरूक करना है। किसानों को मिट्टी की जांच अवश्य कराने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही यह भी जानकारी दी गई कि इफको द्वारा यह जांच निःशुल्क की जाएगी। इफको कोर्डेट की टीम ने ड्रोन तकनीक से छिड़काव की विधि भी समझाई।इफको की तरफ से निमौली की खरीद (17 रुपये प्रति किलोग्राम) के बारे में जानकारी दी गई ।कार्यक्रम में किसानों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और नैनो तकनीक आधारित खेती में गहरी रुचि दिखाई। इस अवसर पर राजेश सिंह उपस्थित रहे।

आज क्राइम पेट्रोल और सावधान इंडिया फेम और टीवी फि ल्म अभिनेता गुलशन पांडे पहुंचे इंडियाजगो के नोएडा ऑफिस

भारत संवाद

नोएडा में इंडियाजगो के ऑफिस में पहुचे और डिजिटल इंडिया के इस दौर में सभी ऑफिस स्टाफ से मिले और आगे आने वाले प्रोजेक्ट पर चर्चा की इसी के साथ आईटी हैड कृष्णा कुमार और हर्ष कुमार जी से मिलकर आगे की प्लानिंग पर हुई चर्चा इंडियाजगो के डायरेक्टर विजेंद्र गोस्वामी ने बताया की आगे 27 जुलाई को होने वाले इवेंट में शामिल होंगे यह इवेंट डायरेक्टर रोहित पायल देखेंगे और साथ में राका जौहरी और गगन सैनी मिलकर उनका साथ देंगे आज की मीटिंग से आगे की इवेंट प्लानिंग और रूपरेखा पर काम किया गया गुलशन पांडे जी बहुत पुराने रिश्ते होने के कारण गुलशन पांडे जी में डिजिटल प्लेटफॉर्म को चुना आगे बहुत से प्रोजेक्ट के साथ गुलशन पांडे जी जुड़कर काम करेंगे इंडियाजगो ग्रुप अपने सभी प्रोजेक्ट में नए नए कलाकारों को भी मौका देता है इकॉक्रूज की ईवी स्कूटी की बारीकियां को समझा और उनके आगे आने वाले ईको टेक और इलेक्ट्रिक की डिमांड बढ़ती जा रही है उन्होंने खुद स्कूटी अपने हाथों के चलाकर देखी और तारीफ की

ऑनलाइन तलाक का शिकार हुई पत्नी

सऊदी अरब से पति ने किया व्हाट्सएप्प, कहा – मुझसे दूर हो जाओ

भारत संवाद

अमेठी, जगदीशपुर के कमरौली थाना क्षेत्र में एक महिला के साथ दहेज उत्पीड़न का मामला सामने आया है। सऊदी अरब में रह रहे पति ने दहेज में कार और प्लॉट की मांग पूरी न होने पर पत्नी को व्हाट्सएप पर तलाक दे दिया। पूरे बबुइन बजरे रसूलपुर की रहने वाली सबीना बानो की शादी 9 जून 2024 को पूरे गरवर निवासी मोहम्मद एजाज से हुई थी। शादी के कुछ महीनों बाद ससुराल पक्ष ने दहेज में कार और प्लॉट की मांग शुरू कर दी। सबीना ने बताया कि दहेज की मांग पूरी न करने पर ससुराल वालों ने उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया। उन्होंने उसे पीटा और उसके गहने छीन लिए। इसके बाद उसे घर से बाहर निकाल दिया। विदेश में रह रहे पति ने व्हाट्सएप पर तलाकनामा भेज दिया कमरौली थानाध्यक्ष मुकेश पटेल के अनुसार, पीड़िता की शिकायत पर मोहम्मद एजाज, उसके परिवार और रिश्तेदारों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न और मुस्लिम महिला विवाह अधिकार संरक्षण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपियों में पति के माता-पिता, भाई-बहन और एक रिश्तेदार शामिल हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुण्यतिथि

आज की परमार्थ गंगा आरती स्वामी विवेकानंद जी को की समर्पित

स्वामी विवेकानंद जी की पुण्यतिथि पर उनकी दिव्य साधना को वंदन

भारत संवाद

- भक्ति संगीत के प्रसिद्ध साधक श्री हंसराज रघुवंशी जी की स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी से दिव्य भेंटवार्ता
- श्री हंसराज रघुवंशी जी और श्रीमती कोमल सकलानी जी ने प्रातःकाल मां गंगा का पूजन अर्चन कर पूज्य स्वामी जी का दर्शन व आशीर्वाद लिया

ऋषिकेश। आज स्वामी विवेकानंद जी की पुण्यतिथि के पावन अवसर पर परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश में विश्व शान्ति यज्ञ के माध्यम से उन्हें भावभीनी श्रद्धाजंलि अर्पित की ।भक्ति संगीत के सुप्रसिद्ध गायक श्री हंसराज रघुवंशी जी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती कोमल सकलानी जी का आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत पावन आगमन और रात्रि विश्राम इस दिव्य वातावरण में हुआ। दोनों ने परम श्रद्धेय स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी का सान्निध्य प्राप्त कर आशीर्वाद ग्रहण किया। परमार्थ निकेतन की पवित्र धरा में उनका यह आगमन परमार्थ गुरूकुल के छोटे-छोटे ऋषिकुमारों के लिये एक प्रेरणाप्रद क्षण रहा, जहाँ संगीत, साधना और सेवा का संगम व त्रिवेणी देखने को मिली। हंसराज रघुवंशी जी ने अपने भक्ति संगीत के माध्यम से देश-विदेश में शिव भक्ति और भारतीय सनातन संस्कृति को नई ऊँचाई प्रदान की है। उनके भजन न केवल लोकप्रिय हैं, बल्कि युवा पीढ़ी के लिए अध्यात्म से जुड़ने का माध्यम बन रहे हैं।स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि श्री हंसराज रघुवंशी जी का संगीत केवल गायन नहीं, एक आध्यात्मिक साधना है। उनकी स्वर-सेवा के माध्यम से आज के युवा धर्म, भक्ति और संस्कृति के मूल स्वरूप से जुड़ रहे हैं। उनका यह एक बहुत बड़ा योगदान है। स्वामी विवेकानंद जी की पुण्यतिथि स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने उनकी साधना को वंदन करते हुये कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने जीवनभर युवाओं को जागरूक, स्वाभिमानी और सेवा-प्रधान बनने की प्रेरणा दी।उनका संदेश है सेवा ही धर्म है, और आत्मबोध ही राष्ट्रबोध है। स्वामी विवेकानंद जी का जीवन भारत की आध्यात्मिक विरासत का आधुनिक प्रस्तुतीकरण था। उन्होंने वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को पूरे विश्व में स्थापित किया और बताया कि भारत की शक्ति उसकी संस्कृति, उसके संत, और उसके मूल्यों में निहित है। उन्होंने युवाओं को आत्मबल, सेवा, और साधना का संदेश दिया। स्वामी विवेकानंद जी ने अपने ओजस्वी उद्बोधनों, चिंतन और आत्मबल से संपूर्ण विश्व को भारत की आत्मा से परिचित कराया। उन्होंने 1893 में शिकागो धर्म संसद में भारत की सनातन संस्कृति, सहिष्णुता, करुणा और वसुधैव कुटुम्बकम् के मूल मंत्र को विश्वमंच पर स्थापित किया। उन्होंने दिखाया कि भारत केवल एक भूखंड नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक चेतना है। उनकी वाणी ने पश्चिम को भारत की आत्मिक गहराई और योग-ध्यान की शक्ति का अनुभव कराया। स्वामी जी आज भी युवाओं के लिए प्रेरणा हैं, जो आत्मविकास और विश्वकल्याण के मार्ग को एक साथ जोड़ते हैं। आज की युवा पीढ़ी को यह समझने की आवश्यकता है कि भक्ति केवल पूजा तक सीमित नहीं है। जब विचारों में विवेकानंद जी की गूंज और हृदय में भक्ति-संगीत की गहराई होती है, तभी जीवन में सच्चा परिवर्तन आता है। इस अवसर पर श्री हसंराज रघुवंशी जी ने अपने विचार साझा करते हुए कहा, परमार्थ निकेतन आना मेरे लिए किसी तीर्थ से कम नहीं।

जिलाधिकारी ने स्वंय की साफ सफाई, आए हुए पर्यटको से गंदगी न करने की की अपील

भारत संवाद

मीरजापुर - जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने जनपद के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल विंढम फाल में उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा खुशतार हेरिटेज कलेक्टिव एवं निर्भेद फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हेरिटेज वाक कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम शुभारम्भ जिलाधिकारी द्वारा हरी झंडी दिखाकर की गई तथा पर्यटन विभाग द्वारा संचालित हेरिटेज वाक के तहत जिलाधिकारी ने वाटरफाल और डाकबंगले तक वाक किया। इस अवसर जिलाधिकारी ने स्वंय सफाई की तथा पंचायती राज विभाग को विंढम फाल की और बेहतर साफ सफाई कराने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने वहां पर आए हुए पर्यटको से गंदगी न करने की अपील की। उन्होंने कहा कि आप सभी पर्यटक इसे जितना स्वच्छ रखेंगे उतना ही सुन्दर और मनमोहक दिखेगा। जिलाधिकारी ने कूड़े को एकत्रित करते हुए कूड़ा वाहन में डाला गया। जिलाधिकारी ने पौधारोपण किया और उपस्थित वन विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि विंढम फाल सहित जिले के अन्य सभी प्रमुख पर्यटक स्थलों को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण- अनुकूल बनाए रखने की सतत व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। जिलाधिकारी ने प्रभागीय वनाधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि विढण्म फाल के आस पास की जमीन को चिन्हित किया जाए। उन्होंने अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत को निर्देशित करते हुए कहा कि शौचालय बनवाने हेतु स्टीमेट बनाकर उपलब्ध कराएं व पर्यटन स्थल को सुन्दर व मनमोहक बनाने हेतु पत्थरो पर पेंटिंग के माध्यम से स्लोगन लिखवाया जाए। इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी राकेश कुमार, उप जिलाधिकारी मड़िहान अविनाश कुमार, जिला पंचायती राज अधिकारी संतोष कुमार सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें।

एक माह में न बदला जिलाधिकारी की नाराजगी देख दो घण्टे में बदला गया फुंका ट्रांसफार्मर, ग्रामीणों में हर्ष

- डीएम ने विद्युत विभाग के प्रति नाराजगी प्रकट करते हुए पुनरावृत्ति होने पर कठोर कार्रवाई के दिए निर्देश

भारत संवाद

अलीगढ़। जनपद की तहसील खैर के गांव कुराना के माजरा बृजा नगला में 5 जून को बिजली का ट्रांसफार्मर फुक गया था। ट्रांसफार्मर फुक जाने के कारण पिछले लगभग एक माह से बिजली आपूर्ति बाधित थी, जिससे ग्रामवासियों को भीषण गर्मी व अंधेरे में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।ग्रामीणों द्वारा लगातार विद्युत विभाग के अधिकारियों को अवगत कराने के बावजूद ट्रांसफार्मर नहीं बदला जा सका था, जिससे ग्रामीणों में रोष व्याप्त था।ग्रामवासी जसवंत सिंह द्वारा शुक्रवार 04 जुलाई को कलैक्ट्रेट जनता दर्शन में जिलाधिकारी संजीव रंजन को इस विषय में शिकायत प्रेषित की गई। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने शिकायत को गम्भीरता के साथ संज्ञान लेते हुए विद्युत विभाग के अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश देते हुए कड़ी नाराजगी प्रकट की। उन्होंने कहा कि जनहित को सर्वोपरि रखते हुए ट्रांसफार्मर फुंकने, तार टूटने संबंधी शिकायत प्राप्त होते ही जल्द से जल्द निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। भविष्य में इस प्रकार की पुनरावृत्ति होने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी के आदेश के उपरांत महज दो घण्टे के भीतर ट्रांसफार्मर को बदलकर विद्युत आपूर्ति पुनः सुचारु कर दी गई। डीएम की इस त्वरित कार्रवाई से ग्रामीणों में हर्ष व उत्साह का माहौल है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन द्वारा समय पर की गई पहल से उन्हें भीषण गर्मी और अंधेरे से राहत मिली है। जिलाधिकारी ने कहा कि जिला प्रशासन नागरिकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने के लिए प्रतिबद्ध है और आमजन से अपील की कि किसी भी समस्या की जानकारी समय रहते दें ताकि उसका तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया जा सके।

आई इंस्टीट्यूट ने जून के माह में रचा इतिहास

सहारनपुर और आस-पास के क्षेत्रों में विश्वस्तरीय नेत्र देखभाल की नई पहचान

भारत संवाद

सहारनपुर। जून के महीने में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए, चमरिखेड़ा आई इंस्टीट्यूट ने नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता को सिद्ध किया। मात्र एक सप्ताह में देश के विभिन्न हिस्सों कृ असम से लेकर राजस्थान और केरल तक और यहां तक कि हांगकांग से भी मरीज यहाँ मोतियाबिंद की सर्जरी के लिए आए। ये सभी सर्जरी प्रसिद्ध नेत्र सर्जन डॉ. रोहन मेहरा द्वारा की गईं।

इन मरीजों में शामिल थे श्री प्रदीप बिष्ट, जो हांगकांग में एक प्रोफेशनल शेफ हैं। उन्होंने अपने एक रिश्तेदार से इस संस्थान की प्रतिष्ठा और नैतिक चिकित्सा पद्धतियों के बारे में सुना था। श्री बिष्ट ने कहा, डॉ. मेहरा से मिलने के बाद मुझे तुरंत विश्वास हो गया कि मैं सही जगह पर हूं। मेरी दोनों आंखों की मोतियाबिंद सर्जरी हुई और अब मैं एक दशक बाद पहले से कहीं बेहतर देख पा रहा हूं। यहां की तकनीक वाकई क्रांतिकारी है। इसी तरह, असम की श्रीमती ताराभानु, जिन्हें दोनों आंखों में परिपक्व मोतियाबिंद और नाखूना की समस्या थी, को कई डॉक्टरों ने कह दिया था कि उनकी दृष्टि वापस नहीं आ सकती। लेकिन जब उनके बेटे के सहयोगियों ने उन्हें चमरिखेड़ा आई इंस्टीट्यूट के बारे में बताया, तो उन्होंने सहारनपुर आकर जांच करवाई। सफल सर्जरी के बाद आज वह स्पष्ट देख पा रही हैं, जिसे वह एक नई जिंदगी कहती हैं इन सभी सफलताओं के पीछे हैं डॉ. रोहन मेहरा एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशिक्षित नेत्र सर्जन, जिनका नाम नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है। मात्र 34 वर्ष की आयु में उन्होंने हजारों जटिल सर्जरियां की हैं और 55 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त किए हैं। उनके कार्यों को 100 से अधिक मेडिकल कॉन्फ्रेंस में प्रस्तुत किया जा चुका है।

हाल ही में उन्हें यशोभूमि, नई दिल्ली में आयोजित एशिया पैसिफिक अकादमी ऑफ ऑप्थाल्मोलॉजी में प्रतिष्ठित ल्वेब्बंत ूंतक से नवाजा गया। चमफरिखेड़ा आई इंस्टीट्यूट अत्याधुनिक तकनीकों और विश्वस्तरीय नेत्र देखभाल सेवाओं के माध्यम से सहारनपुर और आस-पास के क्षेत्रों में उम्मीद की एक नई किरण बन कर उभरा है। अब मरीजों को विशेषज्ञ नेत्र चिकित्सा के लिए महानगरों की ओर रुख करने की आवश्यकता नहींकृहर प्रकार की उन्नत सर्जरी और चश्मा हटाने की सुविधा यहीं उपलब्ध है।

फास्ट ट्रैक

नवजात के दिल की बीमारी में समय पर पहचान से बच सकती है जानः डा.वीरेश महाजन

भारत संवाद

सहारनपुर। डा.वीरेश महाजन ने बताया कि हर साल भारत में ढाई लाख से ज्यादा बच्चे ऐसे पैदा होते हैं जिनके दिल में जन्म से कोई न कोई दिल संबंधी दिक्कत होती है। इस स्थिति को ह्यजन्मजात दिल की बीमारीह्न यानी कॉनजेनिटल हार्ट डिजीज कहा जाता है। परेशानी की बात यह है कि इनमें से केवल करीब 30,000 बच्चों को ही सही समय पर इलाज मिल पाता है। बाकी बच्चे, कम जानकारी, पैसे की कमी या सही अस्पताल तक पहुंच के अभाव में इलाज से वंचित रह जाते हैं, और यही देरी बाद में गंभीर परेशानियों या जानलेवा हालात का कारण बन जाती है।यथार्थ हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा के डा.वीरेश महाजन ने बताया कि ह्रजब बच्चे का दिल जन्म से ही कमजोर होता है, तो हमें जरा भी लापरवाही नहीं करनी चाहिए। अगर सही समय पर जांच और इलाज हो जाए, तो ज्यादातर बच्चे नॉर्मल जिंदगी जी सकते हैं। आज के दौर में हमारे पास ऐसी तकनीक और सुविधाएं हैं, जिनसे बिना तकलीफ के इलाज मुमकिन है कृ बस जरूरत है समय पर पहचान की।कॉनजेनिटल हार्ट डिजीज में कई तरह की दिक्कतें हो सकती हैं, जैसे दिल में छेद, खून की नसों का गलत जुड़ाव या दिल के वाल्व का बहुत पतला होना होना। इनमें से कुछ खुद ठीक हो सकते हैं, लेकिन कई मामलों में तुरंत इलाज या सर्जरी की जरूरत होती है। बच्चे में तेज सांस चलना, दूध पीने में परेशानी, ज्यादा पसीना आना, होंठ-उंगलियों का नीला पड़ना या वजन न बढ़ना, ये सभी इसके संकेत हो सकते हैं। दुर्भाग्य से, इन लक्षणों को अक्सर मामूली कमजोरी समझकर नजरअंदाज कर दिया जाता है।एक बच्चे का दिल बहुत नाजुक होता है। अगर उसमें कोई परेशानी जन्म से हो, तो हर दिन मायने रखता है। सही समय पर जांच और इलाज से, एक कमजोर दिल को भी एक मजबूत जिंदगी दी जा सकती है। अब वक्त है कि हम डर को दूर करें, जानकारी बढ़ाएं और हर बच्चे को एक स्वस्थ दिल का हक दिलाएं।

यूपी उद्योग व्यापार मंडल के गौतम अध्यक्ष, सुधीर सैनी महामंत्री नियुक्त

जिला पदाधिकारियों की मौजूदगी में व्यापारियों का उत्पीड़न रोकने का लिया संकल्प

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की आयोजित बैठक में नगर इकाई का पुनर्गठन किया गया। जिसमें गौतम चैधरी को अध्यक्ष, सुधीर सैनी महामंत्री जबकि श्यामवीर पंवार को सर्वसम्मति से कोषाध्यक्ष बनाया गया। कस्बे में हाइवे पर स्थित पूर्व अध्यक्ष अनुज शर्मा के कार्यालय पर आयोजित व्यापारियों की बैठक में पहुंचे संगठन के जिलाध्यक्ष शीतल टन्डन की अध्यक्षता में संगठन की नगर इकाई का पुनर्गठन करते हुए सर्वसम्मति से गौतम चैधरी को नगरध्यक्ष, सुधीर सैनी को महामंत्री व श्यामसिंह पंवार को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया जबकि संगठन के पूर्व अध्यक्ष अनुज शर्मा (टिंकू) को मुख्य संरक्षक बनाया गया है। इस अवसर पर शीतल टन्डन ने कहा कि व्यापार संगठन व्यापारियों की समस्याओं को निपटाने का काम करता है व्यापारी एकता ही संगठन की नींव है। उन्होंने व्यापारियों से एकजुटता की अपील करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि यह संगठन 50 वर्षों से सबसे ज्यादा सक्रिय है और प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद किरण के नेतृत्व में कार्य कर रहा है।

जैन समाज ने भगवान नेमीनाथ का मोक्ष कल्याणक महोत्सव मनाया

डोली शर्मा संवादाता महानगर /भारत संवाद

अलीगढ़। जैन धर्म के 22 वें तीर्थंकर नेमिनाथ भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव खिरनी गेट स्थित श्री लखमीचंद पांड्या खंडेलवाल दिगंबर जैन ट्रस्ट मंदिर में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान श्रावकों ने मंदिर में विराजमान मूलनायक नेमीनाथ भगवान का अभिषेक किया एवं विश्व में सुख,शांति और समृद्धि की कामना करते हुए मंत्रोच्चारण के साथ शांतिधारा की गई।श्रावकों और महिलाओं ने सामूहिक रूप से मिलकर निर्वाण काण्ड का वाचन करके भगवान को निर्वाण लाडू समर्पित किया।प्रांतीय महामंत्री राजीव जैन ने बताया कि नेमिनाथ भगवान को आषाढ़ शुक्ल सप्तमी के दिन गुजरात राज्य के जूनागढ़ में गिरनार पर्वत से मोक्ष की प्राप्ति हुई थी।कार्यकम उपरांत सभी के लिए श्री दिगम्बर जैन महासमिति एवं महिला प्रकोष्ठ द्वारा पेय दुग्ध एवं मिष्ठान की व्यवस्था की गई।शाम को जैन मिलन वर्द्धमान,जैन मिलन अलीगढ़ नगर एवं जैन मिलन महिला अलीगढ़ नगर के संयुक्त तत्वावधान में श्री भक्तामर स्त्रोत्र पाठ एवं एक शाम भगवान नेमीनाथ के नाम संगीतमय भजन संध्या का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का प्रारंभ भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नरेश कुमार जैन एवं सुरेश कुमार जैन गढी.ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलन करके किया।कपिल एण्ड पार्टी ने श्रद्धालुओं को भक्ति रस में डूबो दिया जहां नेमी के चरण पड़े गिरनार वो धरती है,जूनागढ़ में आज गए देखी तोरण द्वार,चालो रे चालो रे नेमीनाथ की नगरिया,स्वर्ग से सुंदर सबसे प्यारा है गिरनार हमारा जैसे भक्तिमय भजन प्रस्तुत किए जिस पर उपस्थित श्रावक श्राविकाएं झूम उठे।कार्यक्रम के उपरांत सभी के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था कमलेश जैन,अनूप जैन,विक्रांत जैन परिवार द्वारा की गई।इस मौके पर जैन मिलन नगर के अध्यक्ष अतुल कुमार जैन,मंत्री आदर्श कुमार जैन,कोषाध्यक्ष नृपेंद्र कुमार जैन,प्रद्युम्न कुमार जैन,संतोष कुमार जैन, मुकेश जैन,मुनेश जैन,यतीश जैन,सुनील जैन,नीरज जैन,संजय जैन, अजय कुमार जैन,हरिकांत जैन,गौरव जैन, अरुण जैन,जैन मिलन वर्द्धमान अध्यक्ष मोहित जैन,मंत्री मयंक जैन,कोषाध्यक्ष नितिन जैन,प्रशांत जैन, कुणाल जैन,सीनेश जैन,जैन मिलन महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष सुमन जैन, मंत्री पूर्वी जैन,कोषाध्यक्ष दीप्ति जैन,मीना जैन,मधु जैन,नीता जैन,ऋतु जैन,अंजना जैन,गरिमा जैन,कल्पना जैन, आशा जैन पाटनी,नीरू जैन पाटनी एवं समाज के महिला पुरुष बच्चे उपस्थित रहे।

युद्ध कौशल में दक्षता लाने के उद्देश्य से कैडेट्स को दिया फायरिंग का प्रशिक्षण

मंगलायतन विश्वविद्यालय में 8 यूपी बटालियन द्वारा एनसीसी शिविर का आयोजन

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय प्रांगण फौलादी हौसलों और देशभक्ति की गरज से गूंज रहा है। यहां 8 यूपी बटालियन एनसीसी का 10 दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। शिविर में मंगलायतन विश्वविद्यालय के साथ ही 15 कॉलेजों के करीब 500 कैडेट्स प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। जिसमें बालक व बालिका दोनों शामिल हैं। एनसीसी के अधिकारियों के साथ ही 25 प्रशिक्षकों द्वारा कैडेट्स को प्रशिक्षित किया जा रहा है। सूरज की पहली किरण के साथ ही मैदान में कैडेट्स का अनुशासन के साथ देशभक्ति देखते ही बनती है।

शिविर के तृतीय दिवस कैडेट्स ने सुबह दौड़ और सख्त पीटी के साथ दिन की शुरूआत की। युद्ध कौशल में दक्षता लाने के उद्देश्य से राइफल फायरिंग, फायर कंट्रोल ऑर्डर और बैटलफील्ड में दूरी का सटीक अनुमान लगाने की ट्रेनिंग दी गई। वहीं शिविर के दौरान एनसीसी निदेशालय लखनऊ द्वारा शूटिंग चैंपियनशिप की तैयारी भी कैडेट्स से कराई जा रही है। यहां तैयार कैडेट्स अपने अचूक निशाने में परिपक्व होकर भविष्य में सेना का गौरव बढ़ाएंगे। इसके साथ ही गणतंत्र दिवस परेड में भी अपने कौशल का प्रदर्शन करेंगे। कैडेट्स को संबोधित करते हुए कैंप कमांडेंट कर्नल अजय

लूंबा ने कहा कि ये शिविर सिर्फ प्रशिक्षण का मंच नहीं, बल्कि कैडेट्स के चरित्र निर्माण, अनुशासन और जिम्मेदारी के भाव को गढ़ने वाली कार्यशाला है। उन्होंने कहा कि शिविर के माध्यम से कैडेट्स में नेतृत्व क्षमता और धैर्य जैसे सैनिक गुणों का बीजारोपण होता है। डिप्टी कैंप कमांडेंट कर्नल योगेंद्र सिंह चैहान ने कैडेट्स को प्रेरित करते हुए नैतिक जिम्मेदारी व राष्ट्रभक्ति का पाठ पढ़ाया। विश्वविद्यालय में शिविर के आयोजन पर कुलपति प्रो. पीके दशोरा, कुलसचिव ब्रिगेडियर समरवीर सिंह, परीक्षा नियंत्रक प्रो. दिनेश शर्मा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि एनसीसी कैडेट्स देश निर्माण में अपनी महत्ती भूमिका निभाते हैं।

स्कूली बच्चों की सुरक्षा सर्वोपरि: स्कूली वाहनों की सघन जांच जारी

फिटनेस समाप्त या प्रपत्र अपूर्ण वाहनों का उपयोग बच्चों के परिवहन में कदापि न किया जाए -आरटीओ, दीपक कुमार शाह

- 31 स्कूली वाहनों के हुए चालान और 12 वाहन हुए निरुद्ध
- इगलास तहसील के अंतर्गत 8 स्कूलों के 20 स्कूली वाहनों की जांच की गई

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढ़ 04 जुलाई 2025 (सू0वि0): बच्चों की सुरक्षित परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए परिवहन आयुक्त उत्तर प्रदेश, लखनऊ द्वारा जारी निदेर्शों के क्रम में जिले में 01 जुलाई से 15 जुलाई 2025 तक स्कूली वाहनों की सघन जांच एवं विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत स्कूलों में संचालित वाहनों के पंजीकरण, फिटनेस, बीमा, परमिट, प्रदूषण प्रमाण पत्र आदि की बारीकी से जांच की जा रही है, ताकि स्कूली बच्चों को किसी भी तरह की असुरक्षा से बचाया जा सके। शुक्रवार को प्रवेश कुमार सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी द्वारा 10 स्कूली वाहनों के चालान किए गए और 4 वाहन निरुद्ध किए गए। डॉ. ज्योति मिश्रा यात्रीकर अधिकारी द्वारा 19 वाहनों के चालान किए गए और 7 वाहन विभिन्न थानों में निरुद्ध किए गए। वहीं मथुरा प्रसाद यात्रीकर अधिकारी द्वारा निरीक्षण के दौरान 3 वाहनों के चालान और 1 वाहन को निरुद्ध किया गया। इस प्रकार से कुल मिलाकर प्रवर्तन कार्यवाही के दौरान शुक्रवार को 31 स्कूली वाहनों के चालान और 12 वाहनों को निरुद्ध किया गया। इसी क्रम में चम्पालाल एवं अनुराग सिंह वर्मा संभागीय निरीक्षक प्राविधिक द्वारा इगलास तहसील के अंतर्गत 8 स्कूलों के 20 स्कूली वाहनों की जांच की गई, जिनमें 4 वाहनों की फिटनेस समाप्त पाई गई। इन स्कूलों को तत्काल फिटनेस नवीनीकरण कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त 4 अन्य वाहन खराब अवस्था में पाए गए, जिनके पंजीकरण निरस्तीकरण की कार्रवाई कराने के निर्देश संबंधित स्कूल प्रबंधन को दिए गए हैं। आरटीओ दीपक कुमार शाह ने कहा कि स्कूली वाहनों की जांच एवं मार्ग चेकिंग के दौरान यह सख्त निर्देश दिए गए हैं कि फिटनेस समाप्त या प्रपत्र अपूर्ण वाहनों का उपयोग बच्चों के परिवहन में कदापि न किया जाए। साथ ही, सड़क सुरक्षा नियमों के पालन के लिए वाहन चालकों और स्कूली बच्चों को जागरूक भी किया जा रहा है। दीपक कुमार शाह ने कहा कि ष्परिवहन आयुक्त के निर्देश पर जिलेभर में स्कूली वाहनों के कागजात, फिटनेस, बीमा, परमिट और प्रदूषण प्रमाण पत्र की गहन जांच की जा रही है। इस अभियान का उद्देश्य बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देना है। वाहन स्वामियों और स्कूल प्रबंधन से अपेक्षा है कि वे सभी कानूनी औपचारिकताएं समय पर पूर्ण कर बच्चों कीसुरक्षा में सहयोग करें।

काँवड़ यात्रा एवं श्रावण शिवरात्रि के लिए व्यापक तैयारियाँ, कानून-व्यवस्था बनाए रखने पर विशेष जोर

भारत संवाद / -आयुक्त संगीता सिंह

अलीगढ़ (सू0वि0): मण्डलायुक्त संगीता सिंह ने शुक्रवार को काँवड़ यात्रा मार्गों अलीगढ़ रामघाट-कल्याण मार्ग पर पीएसी के सामने तालानगरी, रसिक टॉवर, क्वार्सी चौराहा ओवर ब्रिज, विजडम पब्लिक स्कूल, किशनपुर तिराहे से मैरिस रोड, तहसील कोल, नुमाईश मैदान के पास रघुनाथ पैलेस, सारसौल चौराहा, खेरेश्वर धाम मन्दिर सहित कई मार्गों का स्थलीय निरीक्षण किया। दोपहर बाद उन्होंने मण्डल के सभी जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक कर तैयारियों का जायजा लिया। आयुक्त ने कहा कि काँवड़ यात्रा और शिवरात्रि का आयोजन शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी जिलों को निर्देश दिए गए हैं कि काँवड़ मार्गों पर साफ-सफाई, यातायात व्यवस्था, पेयजल, चिकित्सा, विद्युत और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सोशल मीडिया पर भ्रामक संदेशों और अफवाहों पर कड़ी नजर रखने तथा जरूरत पड़ने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने आगामी 8 जुलाई 2025 को मेरठ में मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक की अध्यक्षता में प्रस्तावित राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक का हवाला देते हुए बताया कि इस पूर्व तैयारी बैठक का उद्देश्य जनपदवार स्थिति की समीक्षा कर कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाना है।

माननीय चौधरी ऋषिपाल सिंह सदस्य विधान परिषद ने अपनी विधायक निधि से निमार्णाधीन भगवान परशुराम मंदिर आसना मथुरा रोड अलीगढ़ पर, भगवान परशुराम जी द्वार का कराया निर्माण

भारत संवाद / योगेश शर्मा

- भगवान परशुराम सेवा ट्रस्ट (कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण भारत) एवम् परशुराम सेवा संस्थान के समस्त पदाधिकारी/सदस्यों ने माननीय विधायक जी का व्यक्त किया आभार

माननीय चौधरी ऋषिपाल सिंह जी सदस्य विधान परिषद एवं पूर्व जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी अलीगढ़ ने अपनी विधायक निधि से निमार्णाधीन भगवान परशुराम मंदिर आसना मथुरा रोड अलीगढ़ पर भगवान परशुराम जी के द्वार का निर्माण कार्य पूर्ण करा दिया है। ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष श्री पी सी शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री शिव कुमार गौड़ एवम् मीडिया प्रभारी मुकेश शर्मा ने अवगत कराया है कि एक कार्यक्रम में मुलाकात के दौरान माननीय चौधरी ऋषिपाल सिंह जी ने अपने ही स्तर से अवगत कराया कि मैं भी भगवान परशुराम मंदिर हेतु कुछ कार्य संपादित करना चाहता हूं, अर्थात स्वयं से ही पहल करने वाले वह पहले जनप्रतिनिधि हैं, संकल्प के आधार पर उन्होंने

भगवान परशुराम द्वार का निर्माण कार्य पूर्ण भी कर दिया है, अतिशीघ्र तिथि का निर्धारण कर गेट का लोकार्पण कार्यक्रम कराया जाएगा। ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष श्री पी सी शर्मा ने यह भी अवगत कराया कि माननीय विधायक जी से प्रस्ताव लिखवाने से लेकर प्रस्ताव के क्रियान्वयन तक ट्रस्ट के महासचिव डॉक्टर एन के शर्मा एवम् संस्थान के युवा प्रदेश अध्यक्ष श्री सतेन्द्र पंडित ने मेरे साथ महती भूमिका का निर्वहन किया। ट्रस्ट के मुख्य संरक्षक/ट्रस्टी श्री बीएल शर्मा, श्री वाई के शर्मा, श्री धनपाल शर्मा, श्री सुशील कौशिक ने कहा कि भगवान परशुराम जी जिस व्यक्ति पर कृपा करते हैं, वही तन मन धन से सेवा करते हैं

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या - पीएसएसए-2025 -01R- ई टेंडर नोटिस-02 दिनांकः 03.07.2025

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क0वि0/उ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा स0: पीएसएसए-2025-01R

कार्य का विवरणः प्रयागराज मंडल (उत्तर मध्य रेलवे) के विद्युत कर्षण वितरण विभाग के अधिकार क्षेत्र में उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के छिवकी (सहित) - मानिकपुर (सहित) खंड (94 आरकेएम/200 टीकेएम) के बीच मौजूदा 1x25 केवी विद्युत कर्षण प्रणाली को 2x25 केवी विद्युत कर्षण प्रणाली में अपग्रेड करने के लिए डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग के कार्य के संबंध में विभिन्न निर्माण स्थलों/अनुभागों पर परियोजना पर्यवेक्षण सेवाएं (पीएसएस)।

अनुमानित लागतः रु0 1,57,92,991.22	**बिड सुरक्षा राशि :** रू0. 2,29,000.00
कार्य अवधि :12 महीना	**बोली प्रणालीः** दो पैकेट

निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय : 19.08.2025 &15.00 Hrs

निविदा खुलने की तिथि तथा समय : 19.08.2025 & 16:00 Hrs

नोटः- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1165/25(AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

आवश्यक सूचना

रेल प्रशासन द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नॉन-इण्टरलॉकिंग कार्य एवं ट्रैफिक और पावर ब्लॉक के कारण निम्नलिखित रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण, मार्ग परिवर्तन, रिशड्यूलिंग एवं आंशिक निरस्तीकरण करने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः

रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण

क्र.सं.	गाड़ी सं.	स्टेशन से स्टेशन तक	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
1	18310	जम्मू तवी-संबलपुर एक्स.	07.09.2025
2	18309	संबलपुर-जम्मू तवी एक्स.	09.09.2025

रेलगाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

क्र. सं.	गाड़ी सं.	गाड़ी का नाम	परिवर्तित मार्ग	निर्धारित मार्ग	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
1	18477	पुरी-योगनगरी ऋषिकेश उत्कल एक्सप्रेस	कटक जं.-संबलपुर सिटी-झारसुगुड़ रोड-ईब	कटक जं.-भद्रक-हिजली-टाटानगर जं. राउरकेला-झारसुगुड़ा-ईब	23.08.2025, 25.08.2025, 27.08.2025, 29.08.2025, 31.08.2025 एवं 09.09.2025
2	18478	योगनगरी ऋषिकेश-पुरी उत्कल एक्सप्रेस	ईब-झारसुगुड़ा रोड-संबलपुर सिटी-कटक जं.	ईब-झारसुगुड़ा-राउरकेला-टाटानगर जं. हिजली-भद्रक-कटक जं.	26.08.2025, 28.08.2025, 30.08.2025, 01.09.2025, 08.09.2025 एवं 09.09.2025
3	20818	नई दिल्ली-भुवनेश्वर राजधानी एक्सप्रेस	गोमोह जं.-आद्रा जं.-मिदनापुर-हिजली-भद्रक-कटक जं.	गोमोह जं.-चक्रधरपुर-राउरकेला-झारसुगुड़ा-अंगुल	31.08.2025

रिशेड्यूलिंग

क्र. सं.	गाड़ी सं.	गाड़ी का नाम	रिशेड्यूलिंग	यात्रा की प्रारंभिक तिथि
1	18310	जम्मू तवी-संबलपुर एक्स.	जम्मू से 03 घंटे	22.08.25, 24.08.25, 26.08.25 एवं 28.08.25
2	18309	संबलपुर-जम्मू तवी एक्स.	संबलपुर से 06 घंटे	02.09.2025

आंशिक निरस्तीकरण

(1) दिनांक **29.06.2025** से **29.12.2025** तक नई दिल्ली से चलने वाली गाड़ी सं. **12424** नई दिल्ली-डिब्रूगढ़ टाउन राजधानी एक्सप्रेस, डिब्रूगढ़ टाउन के स्थान पर डिब्रूगढ़ पर समाप्त होगी तथा यह गाड़ी चाउलखोवा एवं डिब्रूगढ़ टाउन के मध्य आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

(2) दिनांक **01.07.2025** से **31.12.2025** तक डिब्रूगढ़ टाउन से चलने वाली गाड़ी सं. **12423** डिब्रूगढ़ टाउन-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, डिब्रूगढ़ स्टेशन से यात्रा प्रारंभ करेगी तथा यह गाड़ी डिब्रूगढ़ टाउन एवं चाउलखोवा के मध्य आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।

डिब्रूगढ़ स्टेशन पर समय सारिणी

गाड़ी सं.	आगमन	प्रस्थान
12424 नई दिल्ली-डिब्रूगढ़ टाउन राजधानी एक्सप्रेस	06:05	--
12423 डिब्रूगढ़ टाउन-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस	--	20:55

उपरोक्त के अतिरिक्त मथुरा में गोवर्धन परिक्रमा एवं गुरू पूर्णिमा मेला के अवसर पर पूर्व में जारी सूचना के क्रम में गाड़ी सं. **14211** आगरा-नई दिल्ली इंटरसिटी एक्सप्रेस का आगरा से प्रस्थान समय **5:45** बजे के स्थान पर **05:30** बजे पढ़ा जाये।

नोटः ट्रेनों की समय-सारणी के सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन **139** या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@ CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in **1163/25 FA**

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित। संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा। फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939 (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

सेहत के लिए काफी फायदेमंद है तेज पत्ता

रसोई में ऐसे कई मसाले हैं जिनका इस्तेमाल बीमारियों में दवा का काम करता है। शुगर से लेकर हाई ब्लड प्रेशर तक को कंट्रोल करने में ये मसाले या पत्ते इस्तेमाल किए जाते हैं। मधुमेह में कई घरेलू नुस्खे असरदार साबित होते हैं। जिनका लगातार इस्तेमाल करने से शरीर में ब्लड शुगर कंट्रोल होने लगता है। ऐसा ही सूखा पत्ता है तेज पत्ता, जिसका इस्तेमाल गरम मसाले में करते हैं। तेज पत्ता काफी खुशबूदार होता है। डायबिटीज के मरीज अगर सुबह खाली पेट तेज पत्ता की चाय बनाकर पीते हैं तो इससे शुगर को कम करने में फायदा मिलता है।

तेज पत्ता को सेहत के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। तेज पत्ता में भरपूर एंटी-ऑक्सीडेंट, विटामिन और मिनरल पाए जाते हैं। ये सभी पोषक तत्व डायबिटीज में असरदार साबित होते हैं। तेज पत्ता में आयरन, पोटेशियम, कैल्शियम, सेलेनियम और कॉपर होता है। कुछ दिनों तक नियमित रूप से तेज पत्ता का पानी या चाय पीने से पुरानी से पुरानी डायबिटीज को कम किया जा सकता है।

शुगर में तेजपत्ता के फायदे

आयुर्वेदिक डॉक्टर्स की मानें तो शुगर को कम करने के लिए कई तरह की जड़ी बूटियां हैं जो आपके घर में भी आसानी से मिल जाती हैं। आचार्य बालकृष्ण की मानें तो डायबिटीज में तेज पत्ता काफी फायदेमंद है। कई रिसर्च में भी ये सामने आ चुका है कि डाइट और एक्सरसाइज के साथ कुछ आयुर्वेदिक उपाय करने से शुगर कम होने लगती है। ऐसा करने से इंसुलिन फंक्शन में सुधार आता है।

शुगर में तेज पत्ता की चाय?

तेज पत्ता का इस्तेमाल खाने में तो सभी करते हैं। लेकिन डायबिटीज के मरीज को इसकी चाय या पानी पीना चाहिए। तेज पत्ता की चाय बनाने के लिए 1 तेज पत्ता 1 गिलास पानी में डालकर रातभर के लिए भिगो दें। सुबह इस पानी को उबालकर छानकर पी लें। आप चाहें तो अपनी नॉर्मल दूध वाली चाय में भी तेज पत्ता का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके अलावा तेज पत्ता की चाय में थोड़ी दालचीनी, इलायची और तुलसी डालकर भी इसे तैयार कर सकते हैं। नॉर्मली आप सुबह खाली पेट तेज पत्ता का पानी पी सकते हैं। इससे धीरे-धीरे ब्लड शुगर लेवल नॉर्मल होने लगेगा।

इन बीमारियों में फायदा करता है तेज पत्ता

तेज पत्ता न सिर्फ खाने का स्वाद बढाता है बल्कि कई बीमारियों में भी असरदार काम करता है। तेज पत्ता का सेवन करने से पेट की समस्या जैसे कब्ज, एसिडिटी, मरोड़ और दर्द को कम किया जा सकता है। अगर किडनी में स्टोन हो रहे हैं तो तेज पत्ता का पानी पीने से फायदा मिलेगा। जिन लोगों को नींद की समस्या रहती है। वो तेज पत्ता के तेल की कुछ बूंदें पानी में डालकर पी लें। जोड़ों पर तेज पत्ता के तेल से मसाज करना राहत पहुंचाता है।

इन परेशानियों में कारगर है अदरक का सेवन

अदरक का इस्तेमाल सब्जी से लेकर चाय बनाने में किया जाता है। लेकिन यह जड़ वाली सब्जी सेहत के लिए भी बेहद लाभकरी है। इसके सेवन से कई गंभीर बीमारियों से अपना बचाव कर सकते हैं। औषधीय गुणों से भरपूर अदरक सर्दी जुकाम और खांसी के साथ कई गंभीर बीमारियों में भी कारगर है। इसमें मौजूद पोषक तत्व जैसे आयरन, कैल्शियम, आयोडीन, क्लोरीन और विटामिन शरीर को कई बीमारियों से दूर रखते हैं। तो, चलिए जानते हैं अदरक का सेवन कब और कैसे सेवन करना चाहिए?

एसिडिटी : खाना खाने के बाद एसिडिटी और हार्ट बर्न की समस्या है, तो अदरक का सेवन करें। यह बॉडी में जाकर एसिड की मात्रा को कंट्रोल करता है। इसलिए खाना खाने के 10 मिनट बाद एक कप अदरक का जूस पिएं।

मतली और उल्टी को कम करना : हअदरक मतली और उल्टी को कम करने में प्रभावी है। इसका सेवन मतली और मॉर्निंग सिकनेस के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है।

पाचन में सुधार : अदरक में जिंजरोल नामक एक बायोएक्टिव यौगिक होता है, जो पाचन एंजाइमों को उत्तेजित करके पाचन में सुधार करने में मदद करता है ।यह गैस, एसिडिटी और पेट फूलने जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में भी मदद करता है।

कमजोर इम्यूनिटी : अदरक में एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं और संक्रमण से बचाने में मदद कर सकते हैं।

जोड़ों का दर्द करे दूर : अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो जोड़ों के दर्द को कम करने में मदद करते हैं। इसका सेवन या इसे जोड़ों पर लगाने से सूजन और दर्द कम हो सकता है।

पीरियड के दर्द में असरदार : अदरक, पीरियड के दर्द को कम करने में में मदद करते हैं। इसमें पाए जाने वाले एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण दर्द और ऐंठन को कम करने में मदद करते हैं।

कैसे करें अदरक का सेवन?

अदरक का सेवन तो आमतौर पर चाय में डालकर किया जाता है। लेकिन अगर आप इसका ज्यादा फायदा चाहते हैं तो आप चाय की बजाय इसका पानी पियें। अदरक का पानी बनाने के लिए इसे कद्दूकस कर लें। अब एक गिलास पानी में कद्दूकस किया हुआ अदरक डालकर पानी को छी तरह उबाल लें। अब इस पानी को छानकर चाय की तरह चुस्कियां लेकर पिएं। स्वाद के लिए इस पानी में आप शहद ही मिला सकते हैं।

तुलसी के पत्ते किन बीमारियों में असरदार है

हिन्दू धर्म में तुलसी के पौधे की एक देवी के रूप में पूजा की जाती है। ज्यादातर घरों में आपको तुलसी मिल ही जाएगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सुबह उठकर तुलसी को जल चढ़ाने से भगवान विष्णु की कृपा बरसती है। तुलसी अपने आप में एक ऐसा पौधा है जो अनगिनत फायदे पहुंचाता है। आयुर्वेद में कई बीमारियों के इलाज में तुलसी का उपयोग किया जाता है। आज हम आपको बताएंगे कि घर में लगी तुलसी का इस्तेमाल कर आप किन बीमारियों से बच सकते हैं।

आचार्य बालकृष्ण की मानें तो तुलसी के पत्तों से कई बीमारियों का इलाज होता है। इसके पत्तों में रोग प्रतिरोधक क्षमता होती है जो आपको बुखार, दिल से जुड़ी बीमारियां, पेट दर्द, मलेरिया और बैक्टीरियल संक्रमण से बचाते हैं।

दिमाग के लिए फायदेमंद- तुलसी में ऐसे गुण पाए जाते हैं जो दिमाग को शांत करने, कार्य क्षमता बढ़ाने, सिर दर्द, सिर के जूं और लीख से छुटकारा, नाइट ब्लाइंडनेस से आराम दिलाने का काम करते हैं। इसके लिए रोजाना 4- 5 तुलसी के पत्ते पानी के साथ खा लें। सिर में तुलसी के पत्तों का रस भी लगा सकते हैं।

कान और दांत के दर्द में आराम- बच्चों और बड़ों किसी को कान में दर्द हो तो तुलसी के पत्तों का रस डालने से आराम मिलता है। कान के दर्द में तुरंत राहत पाने के लिए तुलसी के 8-10 पत्तों को पीस लें और इससे निकलने वाले रस में से 2 से तीन बूंद कान में डालनी हैं दांत में दर्द हो तुलसी और काली मिर्च चबा लें। इससे फायदा मिलेगा।

पेट की बीमारियों में असरदार तुलसी- अगर आपको डायरिया, पेट की मरोड़, कब्ज, पीलिया, पथरी, डिलीवरी के बाद होने वाले दर्द से झुटकारा पाना है तो तुलसी के पत्तों का सेवन करें। डायरिया और पथरी से बचने के लिए 10 तुलसी की पत्तियां और 1 ग्राम जीरा दोनों को पीसकर शहद में मिलाकर उसका सेवन करें। अपच दूर करने के लिए तुलसी को नमक के साथ पीसकर दिन में 3 से 4 बार लें।

त्वचा के लिए फायदेमंद- आपके फेस को ग्लोइंग बनाने, सफेद दाग, मुंह के छालों, कालापन, कील मुंहासों, फोड़े सभी में तुलसी लाभदायक है। इसके लिए आपको तुलसी के पत्तों को 1 नींबू के साथ मिलाकर लेप बनाना है। इसे चेहरे पर लगा लें और सूखने पर धो लें।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाए- तुलसी मलेरिया, टाइफाइड, बुखार, दाद और खुजली, मासिक धर्म की अनियमितता से बचाती हैं। तुलसी के पत्तों को काली मिर्च के साथ मिक्स करें और काढ़ा बनाकर पीने से मलेरिया, टाइफाइड, बुखार आराम मिलता है। दाद और खुजली के लिए आप इसका लेप बनाकर लगा सकते हैं। मासिक धर्म में आप तुलसी के बीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं। रोज तुलसी के पत्तों को खाने से डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल, अस्थमा, जुकाम को कंट्रोल किया जा सकता है।

घाव भरने में मददगार- तुलसी चोट पर भी फायदा करती है। यहां तक की सांप काटने पर भी तुलसी के पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है। सांप काटने पर तुलसी की जड़ों को पीसकर सांप के काटने वाली जगह पर लेप लगाते हैं। इससे दर्द से आराम मिलता है। अगर रोगी बेहोश हो गया हो तो तुलसी का रस नाक में लगाया जाता है।

सेहत को चौतरफा फायदे पहुंचाएगा ये फल

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक अनानास में विटामिन सी, विटामिन बी6, मैंगनीज, पोटैशियम, फोलेट और फाइबर समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि अनानास को सेहत के लिए वरदान माना जाता है। अगर आप सही मात्रा में और सही तरीके से अनानास का सेवन करते हैं, तो आपकी ओवरऑल हेल्थ पर ढेर सारे पॉजिटिव असर पड़ सकते हैं।

दिल की सेहत को मजबूत बनाए

अनानास आपकी हार्ट हेल्थ को मजबूत बनाने में कारगर साबित हो सकता है। अगर आप दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करना चाहते हैं, तो आपको पोषक तत्वों से भरपूर अनानास का सेवन करना शुरू कर दीजिए। हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए भी इस फल को कंज्यूम किया जा सकता है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

अनानास में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व आपकी गट हेल्थ के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं। पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए आप अनानास का सेवन कर सकते हैं। अगर आप अपनी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाना चाहते हैं, तो भी अनानास को अपने डाइट प्लान का हिस्सा बना सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें अनानास खाने से आपकी आंखों की सेहत पर भी पॉजिटिव असर पड़ता है।

मजबूत बनाए इम्यून सिस्टम

अनानास में विटामिन सी की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। यही वजह है कि इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने के लिए अनानास का सेवन करने की सलाह दी जाती है। अगर आप कमजोर इम्यूनिटी की वजह से बार-बार बीमार पड़ जाते हैं, तो आपको पोषक तत्वों से भरपूर अनानास को कंज्यूम करना शुरू कर देना चाहिए। आपको बता दें कि अनानास आपकी सेहत के साथ-साथ आपकी त्वचा के लिए भी काफी ज्यादा फायदेमंद साबित हो सकता है।

घर में रखे-रखे सड़-गल जाते हैं केले, ये टिप्स है बड़े काम के, 5-6 दिनों तक फ्रेश बने रहेंगे

घर में अक्सर केले लाए जाते हैं लेकिन ये कुछ ही दिनों में काले पड़ने लगते हैं। केले का जल्दी खराब होना आम समस्या है। इससे ये समझना मुश्किल हो जाता है कि केले को फ्रिज में रखें या बाहर। अगर आप चाहते हैं कि केले लंबे समय तक ताजा रहें, तो कुछ आसान तरीके अपनाए जा सकते हैं। केलों की ताजगी बनाए रखने के लिए सबसे पहले ध्यान रखें कि केले खरीदते वक्त वे बिल्कुल ताजे और बिना किसी काले धब्बे वाले हों। अगर केले कहीं से पिलपिले या ज्यादा मुलायम लग रहे हों, तो उन्हें खरीदना सही नहीं क्योंकि ऐसे केले जल्दी खराब हो जाते हैं।

प्लास्टिक बैग से सावधानी

जिन प्लास्टिक बैग्स में केले लाए जाते हैं, उनमें एथिलिन गैस जमा हो जाती है। यह गैस केले के जल्दी पकने का कारण बनती है। इसलिए केले घर लाते ही उन्हें उस बैग से निकालकर किसी दूसरी जगह रखना चाहिए।

केले की डंडी को कवर करें

केले के गुच्छे की डंडी यानी तने को प्लास्टिक से लपेटने से केला जल्दी नहीं पकता और लंबे समय तक ताजा रहता है। अगर पूरे गुच्छे को ढकने की बजाय, केले के तनों को अलग-अलग कवर किया जाए, तो भी केले जल्दी खराब नहीं होते।

अन्य फलों से दूर रखें

केले और अन्य फल जैसे आम, अमरुद, सेब आदि में भी एथिलिन गैस निकलती है। अगर केले को इन फलों के साथ रखा जाए, तो केला जल्दी पकने लगता है। इसलिए केले को अन्य फलों से अलग रखना चाहिए ताकि उनकी ताजगी बनी रहे।

केले को कमरे के तापमान पर रखें

केलों को फ्रिज में रखने से बेहतर है कि उन्हें कमरे के सामान्य तापमान पर ही रखा जाए। केले को उल्टा (टिप-ओवर) करके किसी कटोरे या बाउल में रखें ताकि वे आसानी से सांस ले सकें और खराब न हों।

केले को हवा लगती रहे

केले को एक-दूसरे के ऊपर दबाकर रखने की बजाय ऐसे रखें कि उनपर हवा लगती रहे। इससे उनके जल्दी खराब होने की संभावना कम हो जाती है।

केले को हुक से टांगें

अगर संभव हो तो केले को हुक पर टांगकर रखें। इससे केले के सभी हिस्सों को हवा मिलती रहती है और वे ज्यादा दिनों तक ताजा रहते हैं।

पक चुके केले फ्रिज में रखें

अगर केले पहले से ही पक चुके हों और ज्यादा दिनों तक ताजा रखना हो, तो उन्हें फ्रिज में रखा जा सकता है। फ्रिज की ठंडी हवा में केला ज्यादा समय तक खराब नहीं होता।

केले जल्दी खराब होने की समस्या से बचने के लिए सही तरीके अपनाना जरूरी है। इन तरीकों को अपनाकर आप केले को खराब होने से बचा सकते हैं और उन्हें लंबे समय तक इस्तेमाल कर सकते हैं।

रूस ने अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को मान्यता दी

ऐसा करने वाला दुनिया का पहला देश; तालिबान ने फैसले को बहादुरी भरा बताया

एजेंसी

काबुल/मॉस्को, अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता को रूस ने आधिकारिक मान्यता दे दी है। ऐसा करने वाला रूस दुनिया का पहला देश बन गया है। यह घोषणा गुरुवार को काबुल में अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी और अफगानिस्तान में रूस के राजदूत दिमित्री झिरनोव के बीच हुई बैठक के बाद की गई। तालिबान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता जिया अहमद तकाल ने भी एएफपी को पुष्टि करते हुए कहा कि रूस पहला देश है जिसने इस्लामिक अमीरात को आधिकारिक मान्यता दी है। रूस के अफगानिस्तान मामलों के विशेष प्रतिनिधि जामिर काबुलोव ने रिया नोवोस्ती ने तालिबान सरकार को मान्यता देने की पुष्टि की। रूसी विदेश मंत्रालय ने भी बयान जारी कर कहा कि इस्लामिक अमीरात की सरकार को मान्यता देने से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग तेजी से बढ़ेगा। चीन, पाकिस्तान और ईरान जैसे कई देशों ने अपने-अपने यहां तालिबान

राजनयिकों को तैनात कर रखा है, लेकिन अभी तक किसी ने भी तालिबान शासन को आधिकारिक मान्यता नहीं दी थी। जब एक देश दूसरे देश को आधिकारिक मान्यता देता है, तो वह उसे एक स्वतंत्र राष्ट्र मानता है। यानी उस देश की अपनी सरकार है, अपनी सीमा है और वह दुनिया के दूसरे देशों से रिश्ते बना सकता है। यह मान्यता 1933 की मोंटेवीडियो संधि जैसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों पर आधारित होती है। इसके लिए चार शर्तें होती हैं, स्थायी आबादी, सीमा, सरकार और विदेशों से संबंध बनाने की क्षमता। मान्यता मिलने से किसी देश को वैधता, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में जगह और दूसरे देशों से व्यापार व रिश्ते बनाने का मौका मिलता है। तालिबान ने 15 अगस्त 2021 को काबुल के साथ ही पूरे अफगानिस्तान पर कब्जा कर लिया था। अमेरिका और भारत समेत अब तक कई देशों ने तालिबान को अफगानिस्तान की सरकार के तौर पर मान्यता नहीं दी है। अफगानिस्तान लगातार दुनिया से उसे मान्यता देने की मांग करता रहा है। तालिबान के कार्यकारी रक्षा मंत्री मुल्लाह मोहम्मद याकूब मुजाहिद ने एक इंटरव्यू में कहा था कि सरकार ने मान्यता हासिल करने के लिए सारी जरूरतों को पूरा किया है। इसके बावजूद अमेरिका के दबाव में आकर दूसरे देश हमें मान्यता नहीं दे रहे हैं।

तालिबान की स्थापना 1994 में अफगानिस्तान के कंधार शहर में हुई थी। यह संगठन उन गुटों में शामिल था, जो 1989 में सोवियत सेना की वापसी के बाद अफगानिस्तान में सत्ता के लिए चल रहे गृहयुद्ध में शामिल थे। तालिबान के ज्यादातर सदस्य वही मुजाहिदीन थे, जिन्होंने अमेरिका की मदद से नौ साल तक सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध लड़ा और उसे पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। इस सहयोग की वजह से तालिबान को शुरूआत में अमेरिका का समर्थन भी मिला। हालांकि, 1990 के दशक के अंत तक तालिबान की छवि बदलने लगी। 1999 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें कहा गया कि तालिबान दुनियाभर के आतंकी संगठनों को शरण और प्रशिक्षण दे रहा है। इसी के कुछ महीनों बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूएन के इस प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए तालिबान पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की। 2003 में रूस की सुप्रीम कोर्ट ने तालिबान को आधिकारिक रूप से एक आतंकी संगठन घोषित कर दिया।

भारतीय-अमेरिकी पैसेंजर ने फ्लाइट में यात्री का गला दबाया

आरोपी का दावा- मेडिटेशन कर रहा था; पीड़ित की शिकायत पर गिरफ्तार

एजेंसी

वॉशिंगटन, अमेरिका में एक भारतीय मूल के व्यक्ति पर फ्लाइट में दूसरे पैसेंजर के साथ मारपीट और गला दबाने का आरोप लगा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यह विवाद उड़ान भरने के कुछ समय बाद हुआ। घटना 30 जून को अमेरिकी फ्रंटियर एयरलाइंस में हुई। ये फ्लाइट फिलाडेल्फिया से मियामी जा रही थी। झगड़े का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में 21 साल का भारतीय मूल का ईशान शर्मा और पैसेंजर

केनू इवांस एक-दूसरे से लड़ते दिख रहे हैं, जबकि दूसरे लोग उन्हें रोकने की कोशिश कर रहे हैं। घटना को लेकर इवांस ने दावा किया - ईशान उसकी आगे वाली सीट पर बैठा था और अजीब हरकतें कर रहा था, जैसे बार-बार हंसना और बड़बड़ाना, जिससे मुझे परेशानी हो रही थी। ईशान के हरकतों से परेशान होकर इवांस ने केबिन क्रू से मदद मांगी। जिसके बाद ईशान ने लड़ाई शुरू कर दी और इवांस का गला पकड़ लिया। लड़ाई में ईशान और इवांस को काफी चोटें आईं।

ईशान को मियामी एयरपोर्ट पर उतरते ही हिरासत में ले लिया गया। इसके बाद 1 जुलाई को ईशान को मियामी कोर्ट में पेश किया गया। अदालत में पेशी के दौरान ईशान के वकील ने दावा किया

कि वे सिर्फ मेडिटेशन कर रहे थे, जिसे पीछे बैठे इवांस ने गलत तरीके से समझा। अदालत ने ईशान पर 500 डॉलर (42 हजार रुपए) का जुमार्ना लगाया, और उसे इवांस से कॉन्टैक्ट करने, उसके स्कूल या घर के पास जाने से रोकने के लिए स्टे-अवे ऑर्डर जारी किया है।

रूस का यूक्रेन पर 550 मिसाइल और ड्रोन से हमला

23 घायल; जेलेंस्की का दावा- 270 मिसाइलें मार गिराईं, 200 से ज्यादा ड्रोन जाम किए

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, रूस ने यूक्रेन पर शुक्रवार सुबह 500 मिसाइलों और ड्रोनों से हमला किया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लोदिमीर जेलेंस्की ने दावा किया कि इनमें से 270 मिसाइलों को हवा में मार गिरा गया। इनके अलावा 330 शाहेद ड्रोन भी थे। इनमें से 208 ड्रोन को इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम के जरिए जाम कर दिया गया। ये ड्रोन ईरान में बने हैं। इस हमले का सबसे बड़ा निशाना राजधानी कीव ही था। कीव के अलावा दिनप्रो, सुमी, खार्किव, चेर्निहिव और आसपास के इलाकों को भी नुकसान पहुंचाया। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि इस हमले में कम से कम 23 लोग घायल हुए हैं और उनमें से 14 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। इस हमले से कीव के कई इलाकों में अपार्टमेंट बिल्डिंग, दुकानों, एक स्कूल, एक अस्पताल, रेलवे लाइन और दूसरे जरूरी ढांचों को नुकसान पहुंचा है। कीव इंडिपेंडेंट के मुताबिक धमाकों की आवाजें 3 जुलाई को रात 10 बजे से ही सुनाई देने लगी थीं और ये 4 जुलाई की सुबह तक जारी रहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को फोन पर बात की। जनवरी में ट्रम्प के दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद दोनों नेताओं ने छठी बार बातचीत की। रूस के मुताबिक, दोनों नेताओं ने यूक्रेन, ईरान और अमेरिका-रूस संबंधों समेत कई मुद्दों पर बात की। इस दौरान पुतिन ने साफ किया कि रूस, यूक्रेन वॉर की असल वजह को खत्म करके ही रहेगा। उन्होंने कहा कि वे यूक्रेन के साथ बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन उसे नाटो में शामिल होने जिद छोड़नी पड़ेगी और 2022 के बाद रूस ने जिन इलाकों पर कब्जा कर लिया है उन्हें मान्यता देनी होगी। पुतिन के सीनियर एडवाइजर यूरी उशाकोव ने बताया कि ट्रम्प ने यूक्रेन वॉर जल्द खत्म करने की जरूरत पर जोर दिया। वहीं, पुतिन ने बातचीत के जरिए जंग का हल ढूंढने की कोशिश कर जोर दिया। राष्ट्रपति पुतिन के साथ अपने फोन कॉल के बारे में बात करते हुए राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा- मैंने पुतिन के साथ काफी लंबी बातचीत थी। हमने ईरान सहित कई मुद्दों पर बात की। हमने यूक्रेन युद्ध के बारे में भी बात की। मैं इस बातचीत से खुश नहीं हूं। आज उनके साथ बातचीत में कोई बड़ा डेवलपमेंट नहीं हुआ। ट्रम्प के साथ बातचीत में पुतिन ने दावा किया कि रूस ने नाटो के विस्तार को रोकने और रूसी भाषी लोगों की रक्षा के लिए यूक्रेन पर हमला किया था। हालांकि कीव और पश्चिमी देश इन दावों को सिरे से खारिज करते हैं। यह बातचीत ऐसे वक्त पर हुई है, जब एक दिन पहले अमेरिका ने यूक्रेन एयर डिफेंस मिसाइलें और कई हथियारों की सप्लाई अस्थायी तौर पर रोक दी है। यूक्रेन के लुहान्स्क प्रांत में रूस के कब्जे वाले इलाके के गवर्नर लियोनिद पासेचनिक ने दावा किया कि इस इलाके को पूरी तरह कब्जे में ले लिया गया है। उन्होंने कहा- कुछ दिन पहले मुझे रिपोर्ट मिली कि लुहान्स्क का 100% इलाका आजाद करा लिया गया है। यह रूस की तरफ से कब्जाए गए पूर्वी यूक्रेन के उन चार क्षेत्रों में से पहला है, जिसे रूस ने पूरी तरह नियंत्रित करने का दावा किया है। फरवरी 2022- रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के हमले का ऐलान करते ही यूक्रेन में रूसी टैंक धड़धड़ाते हुए घुसने लगे। तब के अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन बोले- पुतिन से बातचीत का कोई प्लान नहीं है। उन्होंने पूरी दुनिया को खतरे में डाल दिया है। रूस को यूक्रेन पर हमले की गंभीर कीमत चुकानी होगी।

इटली की राजधानी रोम के गैस डिपो में भीषण ब्लास्ट

21 घायल; आसमान में धुएं का गुबार छाया, 300 मीटर दूर तक मलबा बिखरा

एजेंसी

रोम, इटली की राजधानी रोम के एक पेट्रोल स्टेशन और गैस डिपो में भीषण ब्लास्ट हुआ है। हादसे में 21 लोग घायल हुए हैं। ब्लास्ट के बाद आग का एक बड़ा गोला आसमान में दिखाई दिया। यह ब्लास्ट स्थानीय समयानुसार लगभग सुबह 8 बजे हुआ। ब्लास्ट के बाद घटनास्थल से 300 मीटर दूर तक मलबा बिखर गया। यूके मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक यहां एक के बाद एक दो

ब्लास्ट हुए हैं। पहले विस्फोट से पहले गैस की गंध आ रही थी। इसके बाद दूसरा ब्लास्ट हुआ और आग का एक बड़ा गोला आसमान में छा गया। ब्लास्ट के बाद लोगों को घरों से निकाला गया है। इसके अलावा सभी वाहन चालकों को भी हटाया गया है। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने रोम के मेयर से बात की हैं। घटना स्थल के पास ही एक स्कूल था। हादसे के बाद 15 बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। मौके पर कई फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस को तैनात किया गया।

श्रीकृष्ण जन्म भूमि मामले में हिंदू पक्ष को बड़ा झटका

शाही ईदगाह को विवादित ढांचा बताने वाली याचिका खारिज

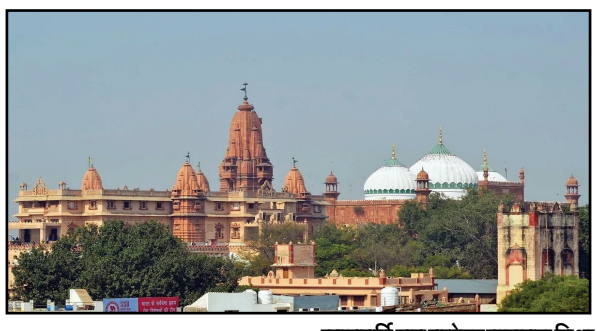

एजेंसी

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को कृष्ण जन्मभूमि मामले में भविष्य की सभी कार्यवाहियों में शाही ईदगाह मस्जिद को विवादित संरचना के रूप में संदर्भित करने के लिए हिंदू पक्ष द्वारा दायर याचिका को खारिज कर दिया। अदालत ने शाही ईदगाह मस्जिद को विवादित संरचना घोषित करने के हिंदू पक्ष के अनुरोध पर अपना फैसला सुनाया। यह अनुरोध करने वाले आवेदन ए-44 को खारिज कर दिया गया। न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की अगुवाई वाली पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि आवेदन को इस स्तर पर खारिज किया जा रहा है।सूट नंबर 13 में याचिकाकर्ता, एडवोकेट महेंद्र प्रताप सिंह ने शाही मस्जिद को विवादित संरचना घोषित करने के लिए प्रार्थना प्रस्तुत की थी। आवेदन ए-44 के माध्यम से याचिकाकर्ता ने अदालत से अनुरोध किया था कि वह अदालत के स्टेनोग्राफर को मूल मामले में भविष्य की सभी कार्यवाही के दौरान शाही ईदगाह मस्जिद के बजाय विवादित संरचना शब्द का उपयोग करने का निर्देश दे। हालांकि, मुस्लिम पक्ष ने इस

न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की अगुवाई वाली पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि आवेदन को इस स्तर पर खारिज किया जा रहा है।

आवेदन पर लिखित आपत्ति दर्ज की। अदालत द्वारा आवेदन को खारिज करना मुस्लिम पक्ष के लिए एक बड़ी राहत के रूप में आया है।इस बीच, हिंदू पक्ष की ओर से दायर 18 याचिकाओं पर सुनवाई अभी भी जारी है। इस मामले की सुनवाई फिलहाल जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा की अगुवाई वाली सिंगल जज बेंच कर रही है। यह विवाद मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद से जुड़ा है, जो मुगल बादशाह औरंगजेब के समय की है। आरोप है कि मस्जिद का निर्माण भगवान कृष्ण के जन्मस्थान पर स्थित मंदिर को तोड़कर किया गया था। हिंदू पक्ष का दावा है कि सन 1670 में मुगल शासक औरंगजेब ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर बने मंदिर को तोड़कर मस्जिद बनवाई थी, जबकि मुस्लिम पक्ष इस दावे को खारिज करता रहा है। आज हाईकोर्ट ने हिंदू पक्ष की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा हम इसे विवादित ढांचा नहीं घोषित कर सकते। न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की अदालत ने वादी महेंद्र प्रताप सिंह की ओर से दाखिल अर्जी खारिज कर दी।

इंजन रिपेयर के नाम पर की थी हेराफेरी, समय पर नहीं बदले पार्ट

एयर इंडिया एक्सप्रेस पर बड़ा खुलासा

इन हिस्सों को बदलने का निर्देश यूरोपीय संघ की विमानन सुरक्षा एजेंसी ईएएसए ने दिया था। कारण है कि इन इंजनों में कुछ निर्माण संबंधी खामियां पाई गई थीं। इससे इंजन फेल होने का खतरा था और विमान को नुकसान हो सकता था। हैरानी की बात यह है कि एयरलाइन पर रिकॉर्ड्स में हेरफेर करने का भी आरोप है ताकि यह लगे कि काम समय पर हो गया था, जबकि असल में ऐसा नहीं हुआ था।

एजेंसी

एयर इंडिया एक्सप्रेस एक बार फिस से विवादों में है। एयरलाइन की बड़ी सुरक्षा चूक सामने आई है। विमानन नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशक ने एयर इंडिया एक्सप्रेस को मार्च में फटकार लगाई थी। यह फटकार यूरोपीय संघ के विमानन सुरक्षा प्राधिकरण द्वारा अनिवार्य किए गए एयरबस अ320 पर इंजन के पाट्र्स को समय पर नहीं बदलने के लिए लगाई गई थी। इन हिस्सों को बदलने का निर्देश यूरोपीय संघ की विमानन सुरक्षा एजेंसी ईएएसए ने दिया था। कारण है कि इन इंजनों में कुछ निर्माण संबंधी खामियां पाई गई थीं। इससे इंजन फेल होने का खतरा था और विमान को नुकसान हो सकता था। हैरानी की बात यह है कि एयरलाइन पर रिकॉर्ड्स में हेरफेर करने का भी आरोप है ताकि यह लगे कि काम समय पर हो गया था, जबकि असल में ऐसा नहीं हुआ था। एक बयान में एयरलाइन ने रॉयटर्स को बताया कि उसने चूक को स्वीकार किया है और सुधारात्मक कार्रवाई और निवारक उपाय लागू किए हैं। यह गंभीर उल्लंघन ऐसे समय में हुआ है जब टाटा के स्वामित्व वाली एयरलाइन समूह जून में अहमदाबाद में एयर इंडिया ड्रीमलाइनर की घातक दुर्घटना के मद्देनजर गहन जांच का सामना कर रही है - एक दशक में सबसे खराब विमानन दुर्घटना - जिसमें विमान में सवार 242 लोगों में से 241 की मौत हो गई थी। हालांकि दुर्घटना का आपस में कोई संबंध नहीं है, लेकिन इसने एयरलाइन समूह के भीतर व्यापक सुरक्षा निरीक्षण और प्रक्रियात्मक पालन को उजागर किया है।

सरकारी डेटा से पता चलता है कि 2023 में अधिकारियों ने 23 मामलों में सुरक्षा चेतावनी या जुमार्ना जारी किया, जिनमें से 11 एयर इंडिया या एयर इंडिया एक्सप्रेस से संबंधित थे। 2022 में एयर इंडिया का अधिग्रहण करने के बाद से, टाटा समूह ने इसे उच्च प्रतिष्ठा वाली वैश्विक वाहक बनाने का लक्ष्य रखा है। हालाँकि, एयरलाइन को विमान की स्थिति और ऑनबोर्ड सेवाओं के बारे में ग्राहकों की बार-बार आने वाली शिकायतों से जूझना पड़ रहा है, जो अब सुरक्षा संकट के गहराने से और जटिल हो गया है।

हिमाचल में मौसम की मार से 5,000 करोड़ का नुकसान

बादल फटने से अब तक 43 लोगों की मौत, 37 लापता

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के जवानों ने शुक्रवार को भारी बारिश के बाद भारद, देजी, पयाला और रुकचुई गांवों में फंसे 65 लोगों को बचाया। भारी बारिश के बाद भूस्खलन से सड़कें क्षतिग्रस्त हो गईं और नदियां उफान पर हैं, जिससे कई गांवों का संपर्क टूट गया तथा लोगों के घरों व खेतों में मलबा जमा हो गया।

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में पिछले महीने मानसून की शुरूआत के बाद से बादल फटने, अचानक बाढ़ आने, भूस्खलन के कारण 43 लोगों की मौत हो गई और 37 लोग लापता बताये जा रहे हैं। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मानसून ने 20 जून को राज्य में दस्तक दी थी और तब से अब तक मौसम की मार से 5,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है। अधिकारियों ने बताया कि 43 में से 14 लोगों की मौत बादल फटने, आठ लोगों की मौत अचानक बाढ़ में बह जाने और एक व्यक्ति की मौत भूस्खलन में हुई जबकि सात लोग डूब गए। उन्होंने बताया कि सबसे अधिक मौतें, मंडी (17) जिले में हुईं, जहां मंगलवार को बादल फटने, अचानक बाढ़ आने और भूस्खलन की दस घटनाओं ने कहर बरपाया। अधिकारियों ने बताया कि अकेले मंडी जिले से लापता 31 लोगों की तलाश अब भी जारी है। अधिकारियों ने बताया कि 150 से अधिक घर, 106 मवेशी शेड, 31 वाहन, 14 पुल और कई सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं जबकि विभिन्न घटनाओं में 164 मवेशियों की मौत हो गयी।

धर्म के मामलों पर बात नहीं करती सरकार

दलाई लामा उत्तराधिकार विवाद पर विदेश मंत्रालय ने किया साफ

जायसवाल ने कहा कि भारत सरकार आस्था और धर्म की मान्यताओं और प्रथाओं से संबंधित मामलों पर कोई रुख नहीं अपनाती है और न ही बोलती है। भारत की संवैधानिक प्रतिबद्धता को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने हमेशा भारत में सभी के लिए धर्म की स्वतंत्रता को बरकरार रखा है और ऐसा करना जारी रखेगी।

एजेंसी

दलाई लामा संस्था के भविष्य के बारे में दलाई लामा द्वारा की गई हालिया टिप्पणियों के जवाब में भारत ने कहा है कि वह धार्मिक विश्वास या अभ्यास से संबंधित मामलों पर कोई रुख नहीं अपनाता है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस विषय पर मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि हमने दलाई लामा संस्था की निरंतरता के बारे में परम पावन दलाई लामा द्वारा दिए गए बयान से संबंधित रिपोर्ट देखी हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत सरकार ऐसे धार्मिक मामलों में शामिल नहीं

होती है, तथा उन्होंने अपने दीर्घकालिक रुख की पुष्टि की। जायसवाल ने कहा कि भारत सरकार आस्था और धर्म की मान्यताओं और प्रथाओं से संबंधित मामलों पर कोई रुख नहीं अपनाती है और न ही बोलती है। भारत की संवैधानिक प्रतिबद्धता को दोहराते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने हमेशा भारत में सभी के लिए धर्म की स्वतंत्रता को बरकरार रखा है और ऐसा करना जारी रखेगी। चीन ने अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू की इस टिप्पणी पर आपत्ति जताई कि दलाई लामा को अपनी इच्छानुसार उत्तराधिकारी का चुनाव करना चाहिए। चीन ने भारत से तिब्बत से संबंधित मुद्दों पर सावधानी से काम करने का आह्वान किया, ताकि द्विपक्षीय संबंधों में सुधार पर इसका प्रभाव न पड़े। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने रीजीजू की टिप्पणियों को लेकर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए यहां प्रेस वार्ता में कहा कि भारत को 14वें दलाई लामा की चीन विरोधी अलगाववादी प्रकृति के प्रति स्पष्ट होना चाहिए और शिजांग (तिब्बत) से संबंधित मुद्दों पर अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान करना चाहिए। चीन तिब्बत का उल्लेख शिजांग के नाम से करता है।